

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 38 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 21 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

निखिल गुप्ता को अमेरिका में 19 साल की सजा : आतंकी की हत्या की साजिश में पाया गया दोषी



न्यूयॉर्क। अमेरिका की एक अदालत ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में 19 साल 7 महीने जेल की सजा सुनाई है। 55 साल के निखिल ने हत्या के लिए सुपारी देने, साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप कबूल किए थे। सजा सुनाए जाने के दौरान निखिल ने कोर्ट में पन्नू से माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने किए का अफसोस है पर अब वे इसे बदल नहीं सकते। सदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज विक्टर मारेरो ने करीब 80 मिनट की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया।

पंचतत्व में विलीन हुईं सीएम योगी की मां सावित्री देवी

हरिद्वार। सीएम योगी की मां सावित्री देवी का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया है। हरिद्वार के चंडी घाट में पूरी रस्मों के साथ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को पूरा किया गया। इसके बाद मुखाग्नि दी गई। इस दौरान सीएम योगी कई बार भावुक हो गए और आंखों से आंसू को नहीं रोक पाए। हरिद्वार के चंडी घाट में उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, योग गुरू बाबा रामदेव, गोरखपुर सांसद रवि किशन समेत कई संत और हस्तियां मौजूद रहे।

9 साल बाद खुलेगा ओरछा के राम राजा मंदिर का खजाना

निवाड़ी। ओरछा के राम राजा मंदिर में वर्ष 2017 के बाद से भक्तों द्वारा चढ़ाए गए सोना, चांदी और अन्य कीमती सामान का अब हिसाब-किताब मिलाया जाएगा। इसके लिए मंदिर कार्यालय के लॉकर में रखे चढ़ावे को डबल लॉक कोषागार में शिफ्ट करने की तैयारी चल रही है। यह कार्रवाई हाईकोर्ट द्वारा जून 2026 में दिए गए निर्देशों के तहत की जा रही है। निवाड़ी कलेक्टर और मंदिर प्रबंधक यमुना भिंडे के मुताबिक, इस अवधि के चढ़ावे का रिकॉर्ड मंदिर कार्यालय में मौजूद है और अब वास्तविक सामान से उसका मिलान होगा। मंदिर के कोषागार का आखिरी सत्यापन 2017 में हुआ था। इसके बाद जो चढ़ावा आया, उसे मंदिर कार्यालय के लॉकर में रखा गया और उसका रिकॉर्ड दर्ज किया गया। अब उसी सामान को डबल लॉक कोषागार में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

बैलाडीला पहाड़ी में भूस्खलन, 3 किमी तक बहकर गया मलबा

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में बैलाडीला पहाड़ी श्रृंखला में भूस्खलन हुआ है। भूस्खलन से राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) का खनन अपशिष्ट ढेर ढहने से मलबा नीचे की ओर बह गया। इस मामले की जानकारी अधिकारियों ने शुक्रवार को दी है। इस घटना में किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनएमडीसी, बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा जिले में किरंदुल और बचेली इलाकों की बैलाडीला पहाड़ियों में लौह अयस्क की खदानें चलाती है। एनएमडीसी के एक बयान के अनुसार, यह भूस्खलन 18 नवंबर की रात को हुआ। इस घटना से खनन कंपनी का अपशिष्ट ढेर और लोहा गांव को किरंदुल से जोड़ने वाली सड़क प्रभावित हुई। मलबा एक धारा के रास्ते लगभग दो-तीन किलोमीटर तक बहता चला गया।

आईआईटी खड़गपुर में पीएम मोदी ने कहा - 'मैं चुनौतियों को चुनौती दिए बिना नहीं रह सकता'

कोलकाता (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार सुबह पश्चिम बंगाल के आईआईटी खड़गपुर के प्लेटिनम जुबली के कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम ने इस मौके पर सिक्का जारी किया।

उन्होंने कहा- आज हमारा सामर्थ्य इससे तय होता है कि हम कितनी चुनौतियों को चुनौती देने का साहस करते हैं। मेरे स्वभाव में है कि मैं चुनौती को चुनौती दिए बिना नहीं रह सकता। हम चुनौती को चुनौती देते हैं या कितनी जल्दी संतुष्ट होकर बैठ जाते हैं। मरी पड़ी सोच को जीने वाले लोग जिंदगी नहीं जी सकते।

मोदी बोले- 2047 तक बहुत सारे लोग लीडरशिप पोजीशन में होंगे। इसलिए आपकी हर सफलता देश के लिए अहम होगी। आपको हमेशा खुद से यह सवाल पूछना है कि देश के सामने कौन सी चुनौतियां है, जिसे आप हल कर सकें। नेशन फर्स्ट मूल मंत्र होना चाहिए।

मोदी ने कहा आज आईआईटी खड़गपुर के स्टूडेंट ने स्काईरूट शुरू करके पहला प्राइवेट सैटेलाइट लॉन्च कर दिया। आज ऐसे बहुत



स्पेस स्टार्टअप हैं जो आगे बढ़ रहे हैं। कभी ये असंभव था, लेकिन आज ये हकीकत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारे देश में स्पेस में सिर्फ एक प्लेटफॉर्म इसरो का था, वहां इंट्री रिस्ट्रिक्टेड थी। कोई भी मिशन लॉन्च के लिए अलग सिस्टम था। इसरो के बाहर युवाओं को इंट्री ही नहीं थी। मैंने मंत्रालय को कहा कि इस सेक्टर में युवाओं को मौका मिले। हमने इसे नौजवानों के लिए ओपन किया।

मोदी ने कहा- जब मैंने सेमीकंडक्टर मिशन शुरू किया तो सवाल उठे कि इसकी क्या जरूरत है, यह देश भी बना रहा है वो देश भी बना रहा। हम बनाकर क्या हासिल कर लेंगे।

भारत में 50 साल पहले एक कंपनी सेमीकंडक्टर बनाने आई थी, उसे लाल झंडा दिखाकर रोक दिया गया। जब मैं आया तो खुद अफसरों के साथ बैठकर फाइलें तैयार करवाईं। पीएम ने कहा- अक्सर कुछ लोग अपनी सोच पर लिमिट लगा देते हैं। इसी को कहा जाता है कि लिमिटिंग बिलीफ्स, इसका मतलब है अपने सपनों, टैलेंट, देश के सामर्थय को लिमिट कर देना।

बारिश से धान खरीदी ठप, केंद्रों में भरा पानी तौल बंद होने से टोकन लेकर लौटे किसान

खेतों में भीग रही धान की कटी हुई फसल, देख देखकर किसानों की आंखें नम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तूफान अकवान की वजह से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। खरीफसीजन में यह तीसरा चक्रवाती तूफान है, जिसका असर प्रदेश के अन्नदाताओं पर पड़ रहा है। केन्द्रों में धान खरीदी बंद कर दी गई जिसके कारण किसान टोकन लेकर भी वापस लौट रहे हैं। उधर खेतों में पड़ा धान भी बारिश की मार झेल रहा है। अपनी मेहनत की फसल को बर्बाद होता देखकर किसानों की रुलाई फूट रही है।



इससे पहले अर्नब और मुरासु तूफान के कारण भी बारिश और तेज हवाओं से फसलों को नुकसान पहुंचा था। अब पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर हो रही बारिश ने एक बार फिर किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में कटी हुई धान की फसल भीग रही है।

इससे धान की गुणवत्ता खराब होने और वजन में अंतर आने का खतरा है। वहीं, खेतों में खड़ी फसल के गिरने और पानी भरने की आशंका भी बनी हुई है।

रायपुर में धान के नुकसान के बारे में बताते हुए एक किसान इमोशनल हो गए। बारिश का असर धान खरीदी व्यवस्था पर भी पड़ा है। शुक्रवार को प्रदेश के कई जिलों में उपार्जन केंद्रों पर तौल रोकनी पड़ी। जिन किसानों ने पहले से टोकन कटवा लिया था, वे किराए के वाहन में धान लेकर केंद्र पहुंचे। लेकिन खरीदी नहीं होने से उन्हें लौटना पड़ा। अब नई तारीख और टोकन का इंतजार करना होगा। परिवहन का एक्स्ट्रा खर्च भी उठाना पड़ेगा।

केन्द्रों में भरा पानी, खेतों में रखी है कटी हुई फसल, खड़ी फसल को भी नुकसान

रायपुर जिले के कई केंद्रों में पानी भरने से तौल का काम रोकना पड़ा। खरीदी के लिए रखे गए धान को कैप कवर से ढककर सुरक्षित रखने की कोशिश की जा रही है। सबसे ज्यादा परेशानी उन किसानों को है, जिन्होंने धान काटकर खेतों में रखा हुआ है। बारिश से धान भीगने पर अंकुरण होने और गुणवत्ता खराब होने का खतरा है। वहीं खेतों में खड़ी फसल पर भी तेज हवा और बारिश का असर पड़ने की आशंका है। वहीं दुर्ग जिले के कई खरीदी केंद्रों में बारिश के कारण तौल रोकनी पड़ी। शुक्रवार को 1,092 टोकन जारी हुए थे, लेकिन सिर्फ 21 टोकन पर 83.72 मीट्रिक टन धान खरीदा जा सका। अब तक जिले में 2,929 किसानों से 12,356.44 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है।

धमतरी जिले के 108 धान उपार्जन केंद्रों में से आमदी और मगरलोड में ही खरीदी हो सकी। बाकी केंद्रों में बारिश के कारण तौल बंद रही।बिलासपुर जिले के 154 खरीदी केंद्रों में से 122 में खरीदी शुरू हो चुकी थी। अब तक 2,856.16 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। शुक्रवार सुबह से लगातार बारिश के कारण अधिकांश केंद्रों में तौल प्रभावित रही।

रायगढ़ जिले में 112 उपार्जन केंद्रों में से सिर्फ 13 में खरीदी शुरू हो सकी है। यहां अब तक 232 किसानों से 1,308.72 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। बारिश के कारण शुक्रवार को खरीदी घटकर करीब 200 क्विंटल रह गई।

अभी दो दिन और बिगड़ा रहेगा मौसम का मिजाज

तूफान अकवान के असर से छत्तीसगढ़ में मौसम बदला हुआ है। मौसम विभाग ने शनिवार को प्रदेश के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इस दौरान गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, प्रदेश के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

पेंड्रा में सुबह से बूंदाबांदी हो रही है। वहीं, केशकाल में भी बूंदाबांदी के साथ धुंध छाई हुई है। तापमान में बड़ी गिरावट आई है। मौसम विभाग के मुताबिक तूफान अकवान कमजोर जरूर पड़ रहा है, लेकिन इससे जुड़ा मौसम सिस्टम अभी भी नमी खींच रहा है। इसी वजह से छत्तीसगढ़ के उत्तरी इलाकों में बादल छाने और बारिश होने की संभावना है। रायपुर से दुर्ग तक न्यूनतम तापमान 18-19 पर बना हुआ है।

पेंशन कोई खैरात नहीं, बल्कि अधिकार अस्थायी सेवा भी शामिल : सुप्रीम कोर्ट



नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के हजारों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत देते हुए कहा है कि नियमित होने से पहले वर्कचार्ज, अस्थायी, दैनिक वेतन और मस्टर रोल कर्मचारी के रूप में दी गई सेवा को पेंशन की गणना में शामिल किया जाएगा।

अदालत ने स्पष्ट किया कि एक बार विधिवत नियमितीकरण हो जाने के बाद शुरुआती नियुक्ति की प्रकृति के आधार पर कर्मचारी को पेंशन के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। पेंशन सरकारी खैरात नहीं, बल्कि कर्मचारी का अधिकार है।

एयरपोर्ट प्रदीप कुमार मीणा ने भारतीय सहायक पुलिस आयुक्त पालम-आईजीआई नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत ये आदेश जारी किए हैं। पुलिस के मुताबिक, गुप्त सूचना मिली है कि आतंकी ड्रोन और अन्य मानवरहित विमान प्रणालियों के जरिए हमले की साजिश रच सकते हैं। ऐसे में एयरपोर्ट और आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए एहतियाती कदम उठाया गया है। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई होगी।

दूल्हे ने कमरे में बुलाई दूसरी लड़की, साथ में खिंचाई फोटो

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर शादियों का सीजन शुरू हो गया है। जयमाला के बाद दुल्हन ने शादी करने से इनकार कर दिया। दुल्हन ने आरोप लगाया कि दूल्हे ने किसी दूसरी युवती को अपने कमरे में बुलाया था और उसके साथ फोटो खिंचाई थी। युवती करीब आधे घंटे तक युवक के कमरे में रही। दुल्हन ने बताया कि जयमाला की रस्म के बाद दूल्हा और दुल्हन कमरे में पहुंचे। वहां कैमरामैन फोटो लेने लगे। दुल्हन का आरोप है कि दूल्हे ने उसको और कैमरामैन को कमरे से बाहर निकाल दिया और उस युवती के साथ आधे घंटे तक कमरे में बंद रहा।

जेसीबी से गड्ढा खोद कर उसमें दफनाया 15 क्विंटल पनीर

खैरागढ़। खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने कार्रवाई करते हुए 15 क्विंटल एनालॉग पनीर को नष्ट किया है। छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगा है। एनालॉग पनीर की सप्लाई भोपाल से हुई थी। उसे रायपुर पहुंचाया जाना था। लेकिन खैरागढ़ में चेकिंग के दौरान पनीर को जब्त कर लिया। टीम ने जेसीबी से गड्ढा खोजकर पनीर को जमीन के नीचे दबा दिया। गुरुवार को साल्हेवारा चेकपोस्ट पर भोपाल से रायपुर जा रहे एक गाड़ी में 50-50 किलो के 30 बॉक्स एनालॉग पनीर जब्त किए गए थे। जांच में इसे घटिया स्तर का पाया गया था।

छत्तीसगढ़ 'फास्टेस्ट मूवर्स' श्रेणी में सबसे आगे

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और पथ विक्रेताओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ को पांच राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

राज्य ने फास्टेस्ट मूवर्स श्रेणी में देश में प्रथम और इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन तथा विकास मंत्री अरुण साव ने राज्य स्तरीय दोनों राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किए। स्वनिधि सम्मान अवार्ड्स- 2026 के अंतर्गत डिजिटल अर्डॉप्शन श्रेणी में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एक लाख से कम जनसंख्या वाले नगरीय निकायों की श्रेणी में नगर पालिका परिषद बड़े बचेली ने देश में प्रथम और नगर पालिका परिषद दंतेवाड़ा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, एक लाख से 10 लाख जनसंख्या वाले नगरीय निकायों की श्रेणी में नगर पालिक निगम बिलासपुर को राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित पीएम स्वनिधि योजना छोटे व्यवसायियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। छत्तीसगढ़ को पांच राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

इस अवसर पर बिलासपुर की महापौर पूजा विधानी एवं आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, नगर पालिका परिषद दंतेवाड़ा की अध्यक्ष पायल गुप्ता एवं सीएमओ अरुण कुमार ध्रुव तथा नगर पालिका परिषद बड़े बचेली के अध्यक्ष राजू जायसवाल एवं सीएमओ पीटीएम कृष्णा राव उपस्थित थे।



बस्तर बाला सना की फिल्म 'काली खेती' को रिलीज होते ही मिला जबरदस्त रिस्पांस

श्रीकंचनपथ समाचार



जगदलपुर। बस्तर की बेटी सना खान ने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रखते हुए बॉलीवुड फिल्म 'काली खेती' बनाई है। फिल्म रिलीज होने के पहले ही दिन स्थानीय दर्शकों से इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। बस्तर के दर्शकों में फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

सना खान जगदलपुर के हाट कचौरा निवासी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोफेशनल काजिम रजा खान की बेटी हैं। फिल्म का निर्देशन और लेखन हारिज इम्तियाज खान ने किया है।

फिल्म रिलीज होने के पहले दिन से ही बस्तर के दर्शकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिलने की बात सामने आ रही है। दर्शक फिल्म की कहानी, प्रस्तुति और निर्माण के प्रयास की सराहना कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का उत्साह फिल्म को लेकर क्षेत्र में बढ़ती दिलचस्पी को भी दर्शाता है।

'काली खेती' के जरिए सना खान ने यह दिखाया है कि बड़े शहरों से दूर रहकर भी फिल्म निर्माण जैसे रचनात्मक क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई जा सकती है। बस्तर की बेटी की इस पहल को स्थानीय प्रतिभाओं के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि शुरुआती प्रतिक्रिया के बाद फिल्म को आगे दर्शकों का कितना प्यार और समर्थन मिलता है।

रिसॉर्ट के पास युवक को बाइक पर बांधकर जिंदा जला, लव एंगल से जांच

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। जिले के जंगल में एक प्राइवेट रिसॉर्ट के पास एक युवक को जीआई तार से बाइक पर बांध कर जिंदा जला देने का मामला सामने आया है। पुलिस मामले की लव एंगल से भी जांच कर रही है। हत्या के तार मुंगेली से जुड़े होने की आशंका है। हालांकि, युवक की पहचान नहीं हुई है।

वारदात में चोरी की बाइक का इस्तेमाल किया गया है। बाइक के साथ ही युवक करीब 90 फीसदी जल गया था। पुलिस पुरानी रंजिश, लव एंगल समेत कई पहलुओं पर जांच कर रही है।

टीम ने शुरुआती जांच के बाद आशंका जताई है कि घटना करीब दो दिन पुरानी है। पुलिस को घटनास्थल पर दो अलग-अलग नंबर प्लेट मिले हैं। इनमें एक पर सीजी 25 (बेमेतरा) और दूसरी पर सीजी 10 (बिलासपुर) लिखा था। चेसिस नंबर से बाइक के मुंगेली पासिंग की जानकारी सामने आई। मुंगेली के एक बुजुर्ग के नाम पर बाइक रजिस्टर्ड थी और करीब एक महीने पहले जिला अस्पताल के पास से चोरी हुई थी।

पुलिस ने शव के मुंगेली के शिक्षक कॉलोनी निवासी मिथिलेश वर्मा (33) पिता राजेंद्र कुमार वर्मा के होने की आ आशंका जताई है। फिलहाल इसकी भी पुष्टि नहीं हो पाई है।

संपादकीय

जेलों का मानवीय चेहरा

कैदियों के अधिकारों हेतु हरियाणा की पहल

निश्चित रूप से, मानव सभ्यता में जब कभी भी जेलों की शुरुआत हुई होगी, उसका मकसद भूले-भटके लोगों में सुधार करना ही रहा होगा। ताकि समाज से अलग-थलग रहकर अभियुक्त व अपराधी को आत्ममंथन करने का मौका मिल सके। जिससे वो अपने व्यवहार में सुधार ला सके। निस्संदेह, जेल की सजा किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता छीन सकती है, न कि उसकी गरिमा या संवैधानिक अधिकार। राज्य की भी जिम्मेदारी बनती है कि वह हिरासत में बंद लोगों के हितों का ध्यान रखे। लेकिन अक्सर जेलों में निर्धारित संख्या से अत्यधिक भीड़, लंबे समय तक विचाराधीन बंदियों का कैद में रहना, हिरासत में दुर्व्यवहार, अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं और खराब पुनर्वास व्यवस्था की शिकायतें मिलती हैं। जिनके प्रति जेल प्रशासन व शासन द्वारा संवेदनशील रवैया अपनाया जाना चाहिए। ऐसे में हरियाणा सरकार की उस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए, जिसके अंतर्गत सभी बीस जेलों के लिये 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' गठित करने का फैसला लिया गया है। निस्संदेह, यह प्रयास जेल प्रशासन को अधिक जवाबदेह व मानवीय बनाने की दिशा में स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, यह कदम सुप्रीम कोर्ट के अक्तूबर 2024 के उस ऐतिहासिक फैसले के आलोक में ही उठाया गया है, जिसमें कोर्ट ने जेलों के भीतर जाति-आधारित भेदभाव को असंवैधानिक घोषित किया था। अदालत ने जेल की दीवारों के पीछे मौजूद सामाजिक ऊंच-नीच की चिंताजनक स्थिति को उजागर किया था। जहां समाज में हाशिये पर रहने वाले समुदायों के कैदियों को छोटे-मोटे और निम्न स्तर के काम सौंपे जाते थे। इस तरह उनके साथ भेदभाव किया जाता रहा। सही मायने में इस नई पहल को केवल अदालती आदेश के पालन करने तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि 'मॉडल प्रिजन मैनुअल-2016' और हरियाणा के अपने 'प्रिजन रूल्स-2022' में पहले से ही ऐसी निगरानी प्रणाली का प्रावधान रहा है। इसके बावजूद राज्यों को इन्हें लागू करने के लिये प्रेरित करने हेतु सुप्रीम कोर्ट को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ा है।

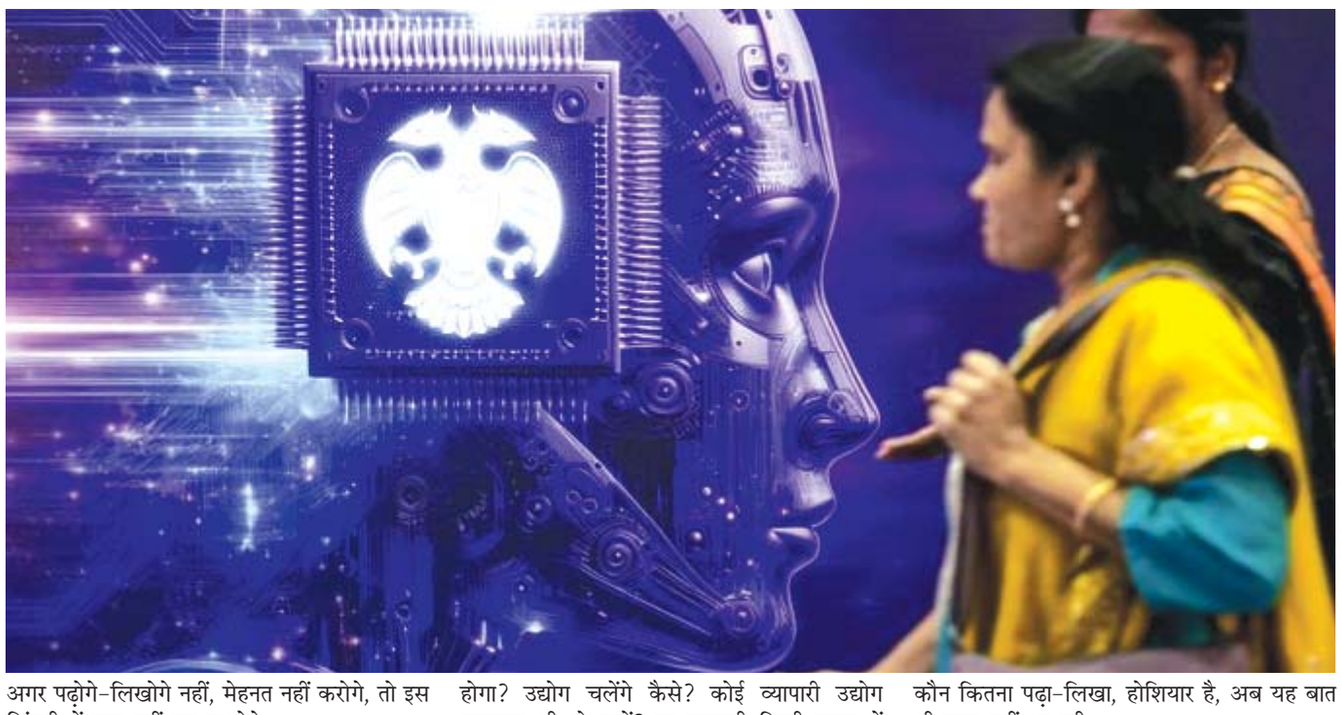
> राज्य की भी जिम्मेदारी बनती है कि वह हिरासत में बंद लोगों के हितों का ध्यान रखे। लेकिन अक्सर जेलों में निर्धारित संख्या से अत्यधिक भीड़, लंबे समय तक विचाराधीन बंदियों का कैद में रहना, हिरासत में दुर्व्यवहार, अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं और खराब पुनर्वास व्यवस्था की शिकायतें मिलती हैं। जिनके प्रति जेल प्रशासन व शासन द्वारा संवेदनशील रवैया अपनाया जाना चाहिए। ऐसे में हरियाणा सरकार की उस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए, जिसके अंतर्गत सभी बीस जेलों के लिये 'बोर्ड ऑफविजिटर्स' गठित करने का फैसला लिया गया है।

निस्संदेह, हरियाणा द्वारा राज्य की सभी जेलों के लिये 'बोर्ड ऑफविजिटर्स' गठित करने के कदम के सकारात्मक परिणामों की उम्मीद की जा सकती है। इसी क्रम में जिला-स्तरीय बोर्डों का गठन किया जा सकता है। जिसमें जिला मुख्य न्यायाधीशों की अध्यक्षता में प्रशासन,पुलिस,स्वास्थ्य सेवाओं, निर्वाचित प्रतिनिधि और नागरिक समाज के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। इससे जेलों के भीतरी प्रशासनिक व्यवस्था की आवश्यक जांच-पड़ताल हो सकेगी। इसके अंतर्गत हर तीन महीने में जेलों का निरीक्षण करने, कैदियों तक बिना किसी बाधा के पहुंच बनाने और बंदियों के रहन-सहन,स्वास्थ्य सुविधाओं तथा पुनर्वास के इंतजामों की जांच करना प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे सार्थक प्रयास करने से व्यवस्था की खामियां उजागर हो सकती हैं। लेकिन वास्तव में यह कवायद तभी सार्थक होगी, जब बोर्ड के सदस्यों को स्वतंत्र रूप से काम करने की छूट मिल सके। यदि वास्तव में ऐसा होता है तो जेल के बंदी बिना किसी जवाबी कार्रवाई के भय के अपनी शिकायतें बेबाक रूप से बोर्ड के सदस्यों के सामने रख सकते हैं। वहीं दूसरी ओर निरीक्षण रिपोर्टों के आधार पर एक निश्चित सीमा के भीतर ही कैदियों की जीवन परिस्थितियों को सुधारने के लिये कदम उठाये जाने चाहिए। तभी 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' गठित करना सार्थक साबित हो सकता है। निश्चित रूप से जांच पड़ताल में सामने आए निष्कर्षों को सार्वजनिक करना अपरिहार्य होना चाहिए। ऐसा करने से जेल प्रशासन में पारदर्शिता को अधिक विस्तार दिया जा सकेगा। निश्चित रूप से 'बोर्ड ऑफविजिटर्स' गठित करने की पहल के लक्ष्य सुधारात्मक होने चाहिए। ताकि जेल के भीतर सकारात्मक सुधारों के जरिये मानवीय मूल्यों की गरिमा स्थापित की जा सके। जिससे यह आक्षेप खारिज किया जा सके कि जेल सिर्फ बंदियों की उपेक्षा और अपमान के अड्डे होते हैं। हरियाणा के लिये असली परीक्षा यह होगी कि उसके नये बोर्ड न्यायिक जांच को संस्थागत बदलाव में बदल पाते हैं या नहीं। यदि ऐसा होता है तो हरियाणा के जेल सुधार पूरे देश की जेलों के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। जो जेल प्रशासन को और अधिक मानवीय बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं।

रोजगार के लिए भस्मासुर न बन जाए एआई

क्षमा शर्मा

आने वाले दिन इस मानव प्रजाति के लिए कैसे हैं, यह तो वक्त ही बताएगा। एआई का भस्मासुर मनुष्य को ले बैठेगा या मनुष्य इस चुनौती को भी झेल जाएगा? हालांकि, यह भी तो सच है कि इस भस्मासुर को...



आने वाले दिन इस मानव प्रजाति के लिए कैसे हैं, यह तो वक्त ही बताएगा। एआई का भस्मासुर मनुष्य को ले बैठेगा या मनुष्य इस चुनौती को भी झेल जाएगा? हालांकि, यह भी तो सच है कि इस भस्मासुर को मनुष्य ने ही बनाया है।

यह नब्बे के दशक की बात है। उन दिनों आज की तरह गैस पाइपलाइन नहीं थीं। सिलेंडर आते थे। मथुरा का एक लड़का सिलेंडर लेकर आता। सिलेंडर लगाने के बाद पहला चाय का कप उसके लिए ही बनता। एक बार बातों-बातों में उसने बताया कि वह एक गांव से आता है। दलित कम्युनिटी से है। एम.ए., एम.एड. कर चुका है, लेकिन कहीं नौकरी नहीं मिली। जहां भी नौकरी के लिए जाता है, वहां पहले से ही कोई और नौकरी के लिए चुन लिया गया होता है। रिश्वत का बोलबाला है। रिश्वत के लिए पैसे कहां से लाए? उसकी बात सुनकर बहुत अफसोस हुआ।

पिछले दिनों एक ई-रिक्शा में जा रही थी। चूंकि सोसायटी के सामने से रिक्शा लिया था, तो उसे चलाने वाला युवा बोला—आंटी जी, आप पत्रकार हो। मैंने कहा—हां। फिर हम बातें करने लगे। उसने बताया कि वह एम.टेक. है। पढ़ाई के लिए पिता ने साढ़े चार लाख का कर्ज लिया। सोचा था कि नौकरी मिलेगी, तो चुका दूंगा। लेकिन जहां भी नौकरी के लिए गया, दस हजार से ज्यादा देने को कोई तैयार नहीं हुआ। अब दिल्ली जैसे शहर में दस हजार में क्या खाऊं, क्या बचाऊं? कर्ज कैसे चुकाऊं? इसलिए मैंने नौकरी छोड़कर ई-रिक्शा चलाना शुरू कर दिया। इससे अच्छी आमदनी हो जाती है।

जब रिक्शे से उतरकर आगे बढ़ी, तो बहुत सी बातें दिमाग में खलबली मचाती रहीं। एक लड़का आज से तीस साल पहले मिला था, एक अब मिला। दोनों की समस्याएं एक जैसी। खूब पढ़े-लिखे, गरीब, लेकिन पढ़ाई-लिखाई का कोई फायदा नहीं मिला।

आधुनिकता के दौर के साथ-साथ दुनिया भर में यह मान लिया गया कि अगर जीवन में कुछ करना है, आगे बढ़ना है, पैसे कमाने हैं, तो पढ़ना-लिखना बहुत जरूरी है। बचपन से ही बच्चे को बताया जाता कि अगर पढ़ोगे-लिखोगे नहीं, मेहनत नहीं करोगे, तो इस जिंदगी में कुछ नहीं कर पाओगे।

एक दौर ऐसा भी था कि पढ़ने-लिखने के बाद कोई न कोई नौकरी मिल ही जाती थी, लेकिन बेरोजगारी हमेशा ही हमारे देश की समस्या रही है। इसके लिए कभी अधिक आबादी, तो कभी कम औद्योगिकीकरण को जिम्मेदार माना जाता रहा है। जब कम्प्यूटर क्रांति हुई, तब कहा जा रहा था कि कम्प्यूटर सबकी नौकरी खा जाएगा। सबकी नौकरियां तो खत्म नहीं हुईं, लेकिन बहुत बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार हो गए। अब आ गया है एआई का जमाना। इसके बारे में तो टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक, अमेरिका के बहुत बड़े उद्योगपति एलन मस्क कह रहे हैं कि कुछ सालों में लोगों को न काम करने की जरूरत रहेगी, न पैसे की।

हो सकता है कि एलन मस्क की बातें कोरी कल्पना हों, लेकिन सही हुईं तो क्या होगा? यदि आदमी को कुछ करना ही नहीं है, तो वह क्यों पढ़ेगा-लिखेगा? तब दुनिया भर में फैली यूनिवर्सिटीज, कॉलेज और स्कूलों का क्या होगा? यही नहीं, जब मनुष्य के मुकाबले दुनिया का हर काम एआई रोबोट ही करेंगे, तो आदमी करेगा क्या? विशेषज्ञ बता रहे हैं कि इतना अधिक उत्पादन होगा कि लोगों को सब कुछ मुफ्त में ही मिल जाया करेगा। पैसे भी खर्च करने की जरूरत नहीं रहेगी। इन सब बातों को पढ़ते हुए लगता है कि जिस समाजवाद के सपने हम देखते रहे हैं, वह तो अब आ रहा है, जिसमें कोई ऊंचा-नीचा, छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब नहीं होगा। लेकिन वाकई क्या ऐसा होगा?

पूंजीवादी व्यवस्था मुनाफे के आधार पर ही तो टिकी हुई है। यदि उत्पादन तो होगा, लेकिन मनुष्य को उसे खरीदने की जरूरत नहीं होगी, तो मुनाफा कैसे होगा? उद्योग चलेंगे कैसे? कोई व्यापारी उद्योग लगाएगा भी तो क्यों? हर व्यापारी किसी उद्यम में जितने पैसे लगाता है, उससे अधिक कमाना चाहता है। यदि पैसे की जरूरत ही खत्म हो जाएगी, तो प्रगति और आगे बढ़ने की जो भी परिकल्पनाएं हैं, वे भी कुछ समय के बाद नष्ट हो जाएंगी।

पिछले दिनों यूरोप और भारत में ही जेन-जी ने शिक्षा की गुणवत्ता, इन्फ्रास्ट्रक्चर, अध्यापकों की कमी, पेपर लीक आदि मुद्दों पर बड़े-बड़े आंदोलन चलाए हैं। ऐसा क्या है कि जिन्हें विकसित अर्थव्यवस्था कहा जाता है और जिन्हें विकासशील, वहां शिक्षा की समस्याएं एक जैसी हैं। बच्चे पढ़-लिख भी जाएं, तो बेरोजगारी दर बहुत अधिक है।

फिर इन दिनों पश्चिम में राष्ट्रवाद की लहर चल रही है। कहा जा रहा है कि राष्ट्र उसके नागरिकों का है। सारी सुविधाओं, नौकरियों पर नागरिकों का पहला हक है। यह एक तरीके से वही विचार हैं, जब सरकारें अपने नागरिकों को मामूली सुविधाएं नहीं दे पातीं, तो वे किसी बाहरी दुश्मन को उनके सामने खड़ा कर देती हैं। लोग सरकारों से लड़ने के मुकाबले इन बाहरी दुश्मनों को निपटाने लगते हैं। लेकिन सरकारों के ये लॉलीपॉप युवाओं को लुभा नहीं पा रहे, क्योंकि जमीनी स्तर पर उनकी परेशानियों का कोई हल नहीं दिखता।

एआई का खतरा बिल्कुल सामने खड़ा है। आए दिन हजारों नौकरियां जा रही हैं। कंपनियां अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को निकाल रही हैं। अब तो यह भी नहीं रहा कि कौन कर्मचारी कितना अच्छा काम करता है या नहीं करता, इस आधार पर किसी को हटाया जाए। रोबोट लॉटरी निकालकर लोगों को हटा रहे हैं। ऐसे में किसकी नौकरी बचेगी, किसकी नहीं, कोई नहीं बता सकता। कौन कितना पढ़ा-लिखा, होशियार है, अब यह बात भी काम नहीं आ रही।

ऐसे में अब यह विचार क्या किसी काम का रहा है कि जितना ज्यादा पढ़ोगे, जीवन में उतना ही अच्छा करोगे? अच्छी नौकरी पाओगे। खूब पैसे कमाओगे?

अफसोस की बात यह है कि युवाओं की इन चिंताओं पर किसी का कोई ध्यान नहीं है। एआई की चुनौतियां कोई कल्पना नहीं हैं, न ही ऐसा है कि इस चुनौती से निपटने के लिए युवाओं के पास बहुत अधिक समय है। वे क्या करें, किस दिशा में जाएं, जिससे कि आगे के वर्षों में जीवनयापन कुछ सरल हो सके, इस बारे में विचार करना बहुत आवश्यक है। हवाई वायदों के मुकाबले सरकारें इस ओर ध्यान दें। बहुत से लोग कह रहे हैं कि व्हाइट कॉलर जॉब्स के मुकाबले हाथ के काम, जैसे कि इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर आदि का काम सीखें। यही विद्या काम आएगी।

हमने वह समय भी देखा है, जब अधिकांश काम हाथ से ही किए जाते थे। फिर ऐसा वक्त आया कि हर काम में मशीनें आ घुसीं। लेकिन अब दोबारा कहा जा रहा है कि हाथ के काम सीखो। क्या ये बातें उसी बात को सही ठहराती हैं कि इतिहास अपने को दोहराता है, लेकिन इसके आगे का वाक्य यह है कि इतिहास दोहराता है, मगर कभी ट्रेजेडी बनकर तो कभी कॉमेडी बनकर। आने वाले दिन इस मानव प्रजाति के लिए कैसे हैं, यह तो वक्त ही बताएगा। एआई का भस्मासुर मनुष्य को ले बैठेगा या मनुष्य इस चुनौती को भी झेल जाएगा? हालांकि, यह भी तो सच है कि इस भस्मासुर को मनुष्य ने ही बनाया है। एआई के गॉडफादर जेफ्री हिंटन इससे सावधान करते हुए कह रहे हैं कि अब भी समय है। इससे बचने के रास्ते ढूंढे जा सकते हैं।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

इन्वेस्टर्स के हितों का ख्याल रखना भी सरकार का ही जिम्मा

चेतन भगत



हाल ही में आंध्र प्रदेश की विधानसभा में पेश किए जाने के लिए एक 'इन्वेस्टर प्रोटेक्शन बिल' का प्रस्ताव रखा गया है। इस बिल का उद्देश्य उन निवेशकों और कारोबारियों को भविष्य में होने वाले नीतिगत बदलावों से सुरक्षा देना है, जिन्होंने मौजूदा नियमों, नीतियों और सरकारी मंजूरियों के आधार पर राज्य में निवेश किया है। यह सुरक्षा खास तौर पर तब महत्वपूर्ण हो जाती है, जब सत्ता में मौजूद सरकार बदलती है और नई सरकार पिछली सरकार के फैसलों को पलट देती है। मिसाल के तौर पर, आंध्र प्रदेश में 2019 में सत्ता में आई नई सरकार ने पिछली सरकार के कार्यकाल में रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपरों के साथ किए बिजली खरीद समझौतों पर फिर से बातचीत करने की कोशिश की थी।

इसी तरह, नई राजधानी अमरावती में सिंगापुर की कंपनियों के सहयोग से स्टार्टअप क्षेत्र विकसित करने की एक योजना भी रद्द कर दी गई। परियोजना से जुड़े निजी निवेशक पहले ही लाखों डॉलर खर्च कर चुके थे और वर्षों की मेहनत लगा चुके थे। लेकिन नई घोषणाओं ने उनकी कोशिशों पर पानी फेर दिया।

यह समस्या किसी एक राज्य तक ही सीमित नहीं है। केंद्र में भी एक ही सरकार के कार्यकाल के दौरान किसी नौकरशाह के बदलने या नियामक संस्था के प्रमुख की जगह किसी दूसरे व्यक्ति के आने या कभी-कभी महज उसका मिजाज बदलने से भी नीतियों में मनमाने बदलाव हो सकते हैं। ऐसे बदलाव रातोंरात बिजनेस मॉडलों को तबाह कर सकते हैं और वर्षों तक निवेशकों के भरोसे को नुकसान पहुंचा सकते हैं। और चूंकि हमाने यहां निवेशकों और कारोबारियों को अमीर, मुनाफाखोर, प्रिविलेज्ड, लालची लोगों के रूप में देखा जाता है, इसलिए उनके नुकसान पर किसी को अफसोस नहीं होता। भला किसे फर्क पड़ता है कि हजारों करोड़ की संपत्ति वाले किसी उद्योगपति के कुछ हजार करोड़ डूब गए? बल्कि यह सब देखकर हमें एक तरह का मजा ही आता है, है न? लेकिन इसमें मजे की कोई बात नहीं है। क्योंकि मामला सिर्फ उस एक निवेशक या कारोबारी का नहीं है। यह पूरे निवेश और बिजनेस समुदाय से जुड़ा है। जब उन्हें माहौल अपने प्रतिकूल लगने लगता है, तो वे इस 'मनमाने फैसलों वाले गणराज्य' में पैसा लगाने से पहले सौ बार सोचते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि कंपनियों, कारखानों, दफ्तरों और उनसे जुड़ी सेवाएं कम होती जाती हैं। यानी आपके और आपके बच्चों के लिए रोजगार के अवसर भी घटते जाते हैं। जी हां, निवेश के लिए खराब माहौल का सीधा नतीजा आपके बच्चों के लिए नौकरियों की कमी के रूप में सामने आता है। निवेशकों को डराने के दो तरीके हैं। पहला, निवेश पर पहले से लागू नियमों को बदल देना। दूसरा, भविष्य के लिए नियमों में इतने अचानक तरीके से बदलाव कर देना कि कारोबारियों को उनके अनुरूप खुद को ढालने का समय ही न मिले। वोडाफोन और केयर्न के चर्चित मामले को याद करें। सरकार ने कर-कानूनों में बदलाव करते हुए इन बदलावों को पिछली तारीख से लागू कर दिया था!

नतीजा यह हुआ था कि कंपनियों पर अतीत में किए गए सौदों के लिए अचानक अतिरिक्त कर-देनदारी आ गई थी। जरा कल्पना कीजिए कि सरकार दस साल पहले लागू टैक्स-दर को बदलने का फैसला कर ले और आपसे दस साल पहले मिली अपनी तनख्वाह पर अतिरिक्त टैक्स मांगने लगे तो क्या होगा! कुछ लोग कह सकते हैं कि क्या सरकार को जनहित में नीतियों में संशोधन या बदलाव करने का अधिकार नहीं है, क्या सरकार का काम सिर्फ लालची पूंजीपतियों के हितों की रक्षा करना है? बेशक, किसी भी सरकार के पास यह अधिकार होता है और होना भी चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि इस अधिकार का इस्तेमाल कितने विवेकपूर्ण ढंग से किया जाता है, ताकि किसी भी पक्ष के हितों को अनुचित रूप से नुकसान न पहुंचे।

क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट के अपने-अपने नियम हैं और ये सभी इसलिए सफलतापूर्वक खेले जाते हैं, क्योंकि खिलाड़ियों को मैच शुरू होने से पहले ही उन नियमों की अच्छी तरह से जानकारी होती है। समस्या फॉर्मेट बदलने से नहीं, पारी के बीच में नियम बदल देने से है। होती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विश्व कूटनीति की दिशा बदलेगी शेन्झेन बैठक!

पुष्परंजन

चीन के शेन्झेन शहर में हो रहे एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग, डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच पहली मुलाक़ात में विश्व की दिशा बदलेगी, ऐसा अनुमान कुछ पर्यवेक्षक लगा रहे हैं। एपेक पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त व्यापार को बढ़ावा देता है। भारत इसका सदस्य देश नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के निमंत्रण पर मनीला में आयोजित 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें ईस्ट एशिया समिट में भाग लेने गए थे। भले ही भारत आसियान का पूर्ण सदस्य नहीं है, लेकिन यह संगठन के साथ साझेदारी और संवाद तंत्र के माध्यम से जुड़ा हुआ है। आसियान की मशाल अब सिंगापुर के हाथों में है। वर्ष 1967 में स्थापित आसियान में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम और तिमोर-लेस्ते शामिल हैं। वर्ष 2027 में इस क्षेत्रीय समूह की 60वीं वर्षगांठ होगी।

लेकिन, पीएम मोदी का मनीला जाना इसलिए महत्वपूर्ण हो गया कि वहां क्वाड समूह की शिखर बैठक भी साथ-साथ निपट गई। क्वाड में अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। मंगलवार को क्वाड नेता फिलीपींस की राजधानी मनीला में बगलगीर थे। सितंबर 2024 के बाद से यह उनकी पहली मुलाकात थी। चीनी पर्यवेक्षक इससे चिढ़ से गए. 'ग्लोबल टाइम्स' ने उनके हवाले से तंज़ किया, 'यह समूह फोटो डिप्लोमेसी तक ही सीमित है। जिसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकलता।'

मनीला में आयोजित 49वें आसियान शिखर सम्मेलन और उससे जुड़ी बैठकों को लेकर चीन की असहजता के पीछे कई प्रमुख कूटनीतिक कारण थे। शिखर सम्मेलन से ठीक पहले अक्तूबर 2026 में आयोजित आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में चीन ने फिलीपींस पर जानबूझकर बाधाएं खड़ी करने और राजनयिक प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप लगाया था। इसके विरोध में चीन ने अपने रक्षा मंत्री के बजाय एक निचले स्तर के सैन्य प्रतिनिधि (डिफेंस अताशे) को भेजा था। तीखी टिप्पणियों से नाराज पेइचिंग ने फिलीपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्टो तियोदोरो की चीन यात्रा पर प्रतिबंध भी लगाया था। चीनी राष्ट्रपति शी इन वजहों से मनीला बैठक में नहीं आये। उनकी जगह प्रधानमंत्री ली कियांग ने चीन का प्रतिनिधित्व किया।

वजह साऊथ चाइना सी है, जहां चीन के अलावा फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान इस क्षेत्र के अलग-अलग द्वीपों और जलक्षेत्रों पर अपना दावा जताते रहे हैं। इंडोनेशिया के साथ भी उसके समुद्री क्षेत्र को लेकर मतभेद हैं। अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने 2016 में फिलीपींस के पक्ष में फैसला देते हुए चीन के ऐतिहासिक दावों को अंतरराष्ट्रीय कानून के विरुद्ध बताया था, लेकिन चीन इस फैसले को नहीं मानता है।

मनीला शिखर बैठक में दक्षिण चीन सागर की आचार संहिता पर आसियान देश और चीन अंतिम समझौते तक नहीं पहुंच सके, हालांकि मसौदे के लगभग 80 प्रतिशत



हिस्से पर अस्थायी सहमति बन चुकी थी। अब शायद सिंगापुर शिखर बैठक में कुछ हो। फिलीपींस ने अपनी आसियान अध्यक्षता के दौरान 2026 के अंत तक इस समझौते को पूरा करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन मतभेदों के कारण यह पूरा नहीं हो सका। सिंगापुर के पूर्व राजनयिक बिलाहारी कौसिकन अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए मशहूर हैं। 2015 में सिंगापुर में आयोजित एक सम्मेलन में बिलाहारी ने आसियान की तुलना 'एक गाय' से की थी, जो 'कभी घोड़ा नहीं बन सकती।' उन्होंने कहा कि दोनों ही जानवर उपयोगी हैं, लेकिन उनकी उपयोगिता का स्तर अलग-अलग है।

लेकिन, मनीला शिखर बैठक से बड़ी कूटनीतिक कहानी शेन्झेन शिफ्ट कर गई है, जहां दुनिया के तमाम देशों की निगाहें पुतिन, ट्रम्प और शी की त्रिपक्षीय मुलाक़ात पर है। 18 से 19 नवंबर 2026 को 21 सदस्यीय एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन चीन के शेन्झेन शहर में आयोजित हो रहा है। 19 नवंबर को शी जिनपिंग, डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच पहली मुलाक़ात में विश्व की दिशा बदलेगी, ऐसा अनुमान कुछ पर्यवेक्षक लगा रहे हैं। एपेक पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त व्यापार को बढ़ावा देता है। भारत इसका सदस्य देश नहीं है।

अगरचे, यह त्रिपक्षीय बैठक ट्रंप के नेतृत्व वाली रिपब्लिकन पार्टी की शर्मनाक हार की पृष्ठभूमि में हो रही है, इसलिए ट्रंप इसमें अपने लिए एक ही फायदा देखते हैं – जो जरूरी नहीं कि अमेरिका के लिए भी फायदेमंद हो। वह अपने घरेलू समर्थकों के सामने यह दावा कर सकते हैं कि मध्यावधि चुनावों में हार के बावजूद, 'वह अभी भी इतने ताकतवर हैं कि दुनिया चला सकते हैं।'

लेकिन, ट्रम्प की छवि की जिस तरह मिट्टी पलीद हुई है, ट्रम्प की ऐसी दावेदारी को शायद ही कोई सीरियसली ले। ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन के चाइना सेंटर के फेलो जोनाथन ए. ज़िन का कहना है कि ऐसी किसी स्थिति की कल्पना करना मुश्किल है, जिसमें ट्रंप, शी और पुतिन के बीच होने वाली बैठक से अमेरिका और उसके हितों के लिए कोई अच्छा नतीजा निकले।

हालांकि, शेन्झेन में त्रिपक्षीय बैठक पुतिन की हामी के बाद ही तय हुई है। इस साल मई में राष्ट्रपति ट्रंप की पेइचिंग यात्रा के बाद से ही शी-ट्रंप-पुतिन के बीच एक संभावित त्रिपक्षीय बैठक को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। जैसे ही ट्रंप ने पुष्टि की कि वह शेन्झेन में होने वाले एपेक शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे, पुतिन ने बिना समय गंवाए 9 अक्तूबर को फोन पर बातचीत के दौरान अपने अमेरिकी समकक्ष के सामने एक संयुक्त बैठक का प्रस्ताव रख दिया। यूक्रेन पर रूस के पूर्ण सैन्य आक्रमण के बाद से उन्हें वर्षों तक कूटनीतिक अलगाव और बहिष्कार का सामना करना पड़ा था।

ट्रम्प के तेवर भी मध्यावधि चुनाव परिणाम के बाद से ढीले लग रहे हैं। मनीला में पीएम मोदी के साथ उनकी देहभाषा दोस्ताना थी। मनीला में ट्रम्प ने कोई विवादित बयान भी नहीं दिया। मनीला में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन से मुलाकात की संभावना जताई।

इस बैठक के लिए शेन्झेन को चुनने के पीछे रूस की सोच के बारे में बताते हुए, वाशिंगटन स्थित स्टिमसन सेंटर की सुन युन ने कहा, 'रूस संभवत: इस शिखर सम्मेलन का इस्तेमाल चीन और अमेरिका को यूक्रेन के मुद्दे पर मॉस्को के रुख़ के करीब लाने के लिए करेगा।' सुन ने आगे कहा कि चीन हथियारों के नियंत्रण, यूक्रेन या ईरान जैसे मुद्दों पर बातचीत में शामिल नहीं होगा; वह बस यही कहता रहेगा कि शांति ज़रूरी है और युद्ध खत्म होने चाहिए।

तीनों नेता मिलकर यूक्रेन युद्ध समाप्त करने, ईरान से शांति की पहल करने के वास्ते आगे बढ़ते हैं, तो शायद बहुध्रुवीय विश्व की अर्थव्यवस्था पटरी पर आये। ट्रम्प के पास अब नेतन्याहू जैसा उग्र और अहंकारी साथी नहीं है, इसलिए वह इस बार अपने बयानों के ज़रिये 'टैरिफ बम' नहीं बरसा रहे हैं। फरवरी 2026 में अमेरिका और रूस के बीच न्यू स्टार्ट संधि समाप्त होने के बाद ट्रंप हथियारों पर नियंत्रण के लिए नई और आधुनिक व्यवस्था की बात कर रहे हैं। शेन्झेन में इसपर भी बात होगी।

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

टीसीएस रूरल आईटी क्विज़-2026 में तनीष ने हासिल किया उपविजेता का खिताब

भिलाई। बीएसपी द्वारा संचालित बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल-10 के कक्षा 11वीं (ए) के छात्र तनीष कुमार साहू ने टीसीएस रूरल आईटी क्विज़-2026 की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उपविजेता का खिताब हासिल कर विद्यालय एवं भिलाई इस्पात संयंत्र को गौरवान्वित किया है। बेंगलुरु में आयोजित इस प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तनीष ने 50 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि भी प्राप्त की। राष्ट्रीय स्तर की इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए तनीष ने पहले जोनल स्तर की प्रतियोगिता में अपनी श्रेष्ठता साबित की। छह राज्यों के प्रतिभागियों के बीच आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने शीर्ष आठ प्रतिभागियों में स्थान बनाकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह सुनिश्चित की। बेंगलुरु में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में तनीष ने 120 अंक अर्जित कर अपनी ज्ञान क्षमता और विषय पर मजबूत पकड़ का परिचय दिया। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने गुजरात के एक प्रतिभागी के बराबर अंक हासिल करते हुए संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद हुए टाई-ब्रेकर राउंड में उन्होंने द्वितीय स्थान हासिल कर राष्ट्रीय उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। राष्ट्रीय स्तर पर तनीष की यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। उनकी इस सफलता से अन्य विद्यार्थियों को भी आगे बढ़ने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

धान से लेकर दलहन, तिलहन और मिलेट्स उत्पादक किसानों को मिल रहा लाभ : संदीप शर्मा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में अन्नदाताओं के हित में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। धान उत्पादक किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की आदान सहायता, गन्ना किसानों को न्यूनतम 425 रुपये प्रति क्विंटल तथा दलहन, तिलहन और मिलेट्स उत्पादक किसानों को भी समर्थन मूल्य एवं प्रोत्साहन राशि का लाभ दिया जा रहा है। यह बात छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कही। उन्होंने बताया कि कृषक उन्नति योजना के तहत धान खरीदी की अधिकतम सीमा 21 क्विंटल प्रति एकड़ निर्धारित है। अब किसानों को प्रति एकड़ समान रूप से 13,839 रुपये आदान सहायता देने का निर्णय लिया गया है। वहीं धान के स्थान पर अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रोत्साहन राशि 11 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। इस योजना में अब तक 52 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है। दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास उत्पादकों के लिए 10 हजार रुपये प्रति एकड़ सहायता का प्रावधान है। संदीप शर्मा ने बताया कि खरीफ 2023 से खरीफ2025 तक प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत 35,904 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है।

रिसाली नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा ने कसी कमर, 6 वार्डों में हुई वार्ड शक्ति केंद्र की संगठनात्मक बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आगामी नगर निगम चुनावों के मद्देनजर आयोजित वार्ड शक्ति केंद्र की संगठनात्मक बैठकों में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने सहभागिता कर भाजपा परिवार के सदस्यों को संबोधित किया।

विधायक ललित चंद्राकर ने वार्ड क्रमांक 26 अवधपुरी सरस्वती कुंज, वार्ड क्रमांक 31 शहीद



किरण सिंह देशमुख, वार्ड क्रमांक 08 दशहरा मैदान, वार्ड क्रमांक 09 छोटा दशहरा मैदान, वार्ड क्रमांक 10 रिसाली सेक्टर एवं वार्ड क्रमांक 30 इस्पात नगर में आयोजित बैठकों में कार्यकर्ताओं से विस्तृत चर्चा की।

बैठक में आगामी चुनाव की तैयारियों, संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने व जन-जन तक पहुंचकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों को पहुंचाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा, समर्पण और एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में उतरने के लिए संकल्पित है। कार्यकर्ताओं का उत्साह और जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हमें हर बूथ पर पहुंचकर सरकार के विकास कार्यों और योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि रिसाली की जनता ने हमेशा भाजपा पर विश्वास किया है। इस बार भी कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के आशीर्वाद से रिसाली नगर निगम में भाजपा का परचम लहराएगा। इस अवसर पर रिसाली नगर निगम चुनाव सह प्रभारी अंशु चन्द्रवंशी, श्वेता शर्मा, जिला उपाध्यक्ष शिवेन्द्र परिहार, संतोष सोनी, जिला मंत्री शैलेन्द्र शेंडे, रिसाली मंडल अध्यक्ष एकनाथ अनुपम साहू, महामंत्री गुड्डू झा, मंडल उपाध्यक्ष सचिन गोस्वामी, कुलेश्वर साहू, महेन्द्र लोढ़ा, दीपक चोपड़ा, मनोज सोनी, निलेश अग्रवाल एवं महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शकुंतला दास सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीएसपी में सेल रेल कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन

सेल एवं भारतीय रेलवे सहित अन्य ग्राहक संगठनों के प्रतिनिधियों ने लिया भाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा इस्पात भवन, भिलाई में सेल रेल कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन किया गया, जिसमें सेल, भारतीय रेलवे एवं अन्य ग्राहक संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कॉन्क्लेव के दौरान रेलवे क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं, रेल उत्पादों की गुणवत्ता एवं तकनीकी विकास, उत्पादन क्षमताओं और भविष्य की मांगों के अनुरूप उत्पाद विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में संयंत्र की उत्पादन क्षमताओं के प्रत्यक्ष अवलोकन, तकनीकी प्रस्तुतियों तथा अधिकारियों के साथ संवाद के माध्यम से ग्राहकों के साथ सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम के प्रारंभ में भारतीय रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री चित्तरंजन महापात्र से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर संवाद किया। इस दौरान भारतीय रेलवे की बदलती आवश्यकताओं, रेल उत्पादों की गुणवत्ता एवं तकनीकी विकास से जुड़े विषयों पर



चर्चा हुई। सेल के निदेशक (वाणिज्यिक) श्री टी. एन. नटराजन ने भारतीय रेलवे की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा दोनों संगठनों के बीच साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए सेल की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने ग्राहकों की अपेक्षाओं को समझने और रेलवे क्षेत्र की बदलती मांगों के अनुरूप सामूहिक रूप से कार्य करने के महत्व पर बल दिया।

इसके पश्चात कॉन्क्लेव में शामिल भारतीय रेलवे सहित अन्य ग्राहक संगठनों के प्रतिनिधियों ने संयंत्र का भ्रमण किया। इस दौरान सर्वप्रथम उन्होंने सेफ्टी एक्सीलेंस सेंटर में सुरक्षा संबंधी जानकारी प्राप्त की, तत्पश्चात ब्लास्ट फर्नेस-8, स्टील मेल्टिंग शॉप-3, रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल तथा यूनिवर्सल रेल मिल की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। इस भ्रमण के माध्यम से प्रतिनिधियों को संयंत्र की एकीकृत इस्पात निर्माण प्रक्रिया, उत्पादन व्यवस्थाओं और विशेष रूप से रेल निर्माण से जुड़ी तकनीकी एवं विनिर्माण क्षमताओं को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिला।

इसके पश्चात भिलाई निवास में आयोजित कॉन्क्लेव के औपचारिक सत्र में भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री चित्तरंजन महापात्र एवं सेल के निदेशक (वाणिज्यिक) श्री टी. एन. नटराजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सेल के कार्यपालक निदेशकों, भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधकगण तथा भारतीय रेलवे एवं अन्य ग्राहक संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की भी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर सेल के निदेशक टी. एन. नटराजन ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने इस कॉन्क्लेव को सेल एवं उसके ग्राहकों के बीच संवाद और विचारों के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने भारतीय रेलवे की बढ़ती एवं बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप रेल उत्पादों के विकास और उनकी गुणवत्ता में निरंतर सुधार पर बल दिया। उन्होंने ग्राहकों की अपेक्षाओं को समझने, उनके साथ निकट समन्वय स्थापित करने तथा रेलवे क्षेत्र की भावी जरूरतों को पूरा करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने के महत्व को रेखांकित किया। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री चित्तरंजन महापात्र ने अपने उद्बोधन में रेलवे क्षेत्र की उभरती चुनौतियों और बदलती मांगों के अनुरूप निरंतर सुधार, नवाचार तथा सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया।

नवनिर्मित सामाजिक भवन का मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया लोकार्पण



श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के पचरीपारा वार्ड में नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण आज केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग विधायक गजेन्द्र यादव ने किया। उन्होंने भवन को क्षेत्रवासियों को समर्पित करते हुए कहा कि सामाजिक भवन समाज की एकजुटता, आपसी सहयोग और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेंगे।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि सामाजिक भवन केवल आयोजनों के लिए एक स्थान नहीं, बल्कि समाज के लोगों के एक साथ जुड़ने, विचारों के आदान-प्रदान और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का केंद्र होते हैं। इस भवन के निर्माण से क्षेत्रवासियों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन में भी सहूलियत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि दुर्ग विधानसभा के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप मूलभूत सुविधाओं और अधोसंरचनाओं का विस्तार करना हमारी प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि विकास कार्यों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे और हर वार्ड में बेहतर सुविधाएं विकसित हों। मंत्री श्री यादव ने कहा कि जनसुविधाओं का विस्तार और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास निरंतर जारी रहेगा।

जनता की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा।

भक्ति, तप और श्रद्धा से सराबोर हुआ मां पद्मावती जप अनुष्ठान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में मां पद्मावती जप अनुष्ठान श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। अनुष्ठान राष्ट्र संत, नेपाल केसरी एवं मानव मिलन संस्थापक पूज्य डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित हुआ। आयोजन में जैन समाज के विभिन्न घटक दलों के श्रावक-श्राविकाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्म आराधना में सहभागिता निभाई।

मां पद्मावती के जप एवं आराधना के माध्यम से श्रद्धालुओं ने सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगल की कामना करते हुए आध्यात्मिक वातावरण को भक्तिमय बना दिया। समाज के सभी घटकों की सामूहिक सहभागिता धार्मिक एकता, सौहार्द एवं संघ भावना का सुंदर परिचायक रही।

इस पावन आयोजन के साथ आयंबिल तप की आराधना का भी विशेष आयोजन जय आनंद मधुकर रतन भवन की भोजनशाला में किया गया। अनेक श्रद्धालुओं ने आयंबिल तप के



माध्यम से संयम, त्याग एवं आत्मशुद्धि की साधना की। जैन धर्म में तप को आत्मकल्याण, कर्म निर्जरा एवं आत्मा की निर्मलता का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया है। तप आराधना में सहभागिता ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक दृष्टि से और अधिक विशेष बना दिया।

अनुष्ठान के दौरान एक ग्राम सोने के सिक्के एवं 11 चांदी के सिक्कों का लकी ड्रॉ भी निकाला गया। एक ग्राम सोने के सिक्के का लकी ड्रॉ सौरभ बाफना के नाम निकला। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं में उत्साह एवं आनंद का वातावरण रहा। अब चातुर्मास के समापन की बेला निकट आ रही है।

डॉ. येसुदास नाइट का भव्य आयोजन, सदाबहार गीतों ने बांधा समां

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा 18 नवंबर 2026 को महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई में पद्मविभूषण डॉ. के.जे. येसुदास को समर्पित 'डॉ. येसुदास नाइट' का भव्य आयोजन किया गया। सदाबहार फिल्मी गीतों और सुरीली प्रस्तुतियों से सजी इस संगीतमय संध्या में कलाकारों ने अपनी गायन एवं वादन कला से उपस्थित संगीत प्रेमियों का मन मोह लिया।

इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा, उप महाप्रबंधक राजेंद्र प्रसाद तथा महाप्रबंधक एन.के. बंछोर सहित



संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में भिलाई के संगीत प्रेमियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

इस विशेष संगीतमय आयोजन में भिलाई इस्पात संयंत्र के ख्यातिलब्ध गायक पी.टी. उल्लास कुमार ने डॉ. येसुदास के सदाबहार एवं लोकप्रिय फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। वहीं, मुंबई से विशेष रूप से आमंत्रित राष्ट्रीय स्तर की गायिका सुश्री शाहीन ने अपनी मधुर आवाज और भावपूर्ण गायन से कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। सहगायिकाओं अनुष्का, सुश्री मधुरिमा रे एवं तान्या समद्दार ने भी डॉ. येसुदास के लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियों से संध्या को और यादगार बनाया। वाद्य संगीत में तबले पर श्री रविन्द्र कर्मकार, की-बोर्ड पर साईं चक्रवर्ती, बालसुब्रमण्यम एवं मिलाप, ढोलक पर भगवत साहू, ऑक्टोपैड पर देवव्रत मजूमदार, गिटार पर आशुतोष तथा बांसुरी पर सतीश सिन्हा ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

सभी वाद्य कलाकारों की सुमधुर संगत ने गीतों की मधुरता, गायकों की प्रस्तुतियों को और निखारते हुए गायन प्रस्तुतियों को और भी प्रभावशाली बना दिया।

कार्यक्रम का संचालन सुप्रियो सेन ने किया। निःशुल्क प्रवेश वाले इस आयोजन में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमियों ने सहभागिता की और डॉ. येसुदास के लोकप्रिय गीतों का आनंद लिया। डॉ. के.जे. येसुदास के चुनिंदा गीतों की प्रस्तुतियों ने उनकी विशिष्ट गायन शैली और भारतीय संगीत जगत में उनके अतुलनीय योगदान की स्मृतियों को एक बार फिर जीवंत कर दिया।

पारिवारिक विवादों का समाधान संवाद और परामर्श से संभव : कलेक्टर सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पारिवारिक विवादों का समाधान केवल कानूनी प्रक्रिया से ही नहीं, बल्कि आपसी संवाद, समझ और उचित परामर्श से भी संभव है। समय रहते काउंसलिंग के माध्यम से परिवारों के बीच उत्पन्न गलतफहमियों और तनाव को दूर किया जा सकता है। यह बात कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं दुर्ग पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विशेष क्षमता संवर्धन कार्यशाला में कही।

20 नवंबर को नवीन कॉन्फ्रेंस हॉल, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन दुर्ग में 'परामर्श से समाधान' विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में पारिवारिक विवादों के सौहार्दपूर्ण निराकरण में परामर्शदाताओं की भूमिका और परिवार परामर्श केंद्रों के योगदान पर विस्तार से



चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार कुजूर, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुमन एक्का, सिविल जज वरिष्ठ श्रेणी कामिनी जायसवाल, कलेक्टर अभिजीत सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पारिवारिक विवादों के निराकरण में काउंसलिंग व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना तथा न्यायिक व्यवस्था, जिला प्रशासन और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। इस दौरान परामर्शदाताओं के अनुभव, कार्यप्रणाली और व्यावहारिक चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने मुंशी प्रेमचंद की कहानी का उदाहरण देते हुए पारिवारिक संबंधों में संवाद और आपसी समझ के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कई बार छोटी-छोटी गलतफहमियां और परिस्थितियां परिवारों में तनाव का कारण बन जाती हैं।

ऐसे में समय पर उचित परामर्श मिलने से विवादों को बढ़ने से रोका जा सकता है। काउंसलिंग का उद्देश्य केवल विवाद समाप्त करना नहीं, बल्कि परिवारों के बीच विश्वास और संबंधों को बनाए रखने में सहयोग करना भी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने पारिवारिक विवादों के निराकरण में पुलिस की संवेदनशील एवं उत्तरदायी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि परिवार परामर्श केंद्रों के माध्यम से संबंधित पक्षों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संवाद और आपसी सहमति के आधार पर समाधान तलाशने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने परामर्शदाताओं से ऐसे मामलों में धैर्य, निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार कुजूर ने अपने समापन उद्बोधन में न्यायिक व्यवस्था और परामर्श केंद्रों के बीच बेहतर समन्वय को पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रभावी परामर्श प्रक्रिया और संबंधित संस्थाओं के सामूहिक प्रयासों से विवादों के निराकरण में सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुमन एक्का ने पारिवारिक विवादों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए उचित मार्गदर्शन और आपसी समझ के माध्यम से समाधान की आवश्यकता बताई।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

चक्रवात से प्रभावित किसानों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी राज्य सरकार : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अकवान चक्रवात के कारण फसलों को हुए नुकसान को लेकर किसानों को आश्वस्त किया है कि राज्य सरकार हर प्रभावित किसान के साथ खड़ी है। किसानों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। चक्रवात से हुई फसल क्षति का सर्वेक्षण कराकर सभी पात्र किसानों को नियमानुसार सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी जिला कलेक्टरों को चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। सर्वेक्षण के आधार पर प्रभावित किसानों को राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के अंतर्गत पात्रतानुसार आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जिन किसानों की फसलें बीमित हैं, उन्हें संबंधित फसल बीमा योजना के प्रावधानों के अनुसार पात्र बीमा दावा राशि दिलाने की कार्रवाई की जाएगी।

बारिश की संभावना को देखते हुए धान की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें - कलेक्टर

महासमुंद। मौसम में बदलाव और संभावित बारिश को देखते हुए कलेक्टर विनय लंगेह ने जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में धान की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों में खरीदे गए धान को बारिश, तेज हवा, जमीन की नमी और जलभराव से सुरक्षित रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सभी केंद्रों में पर्याप्त कैप कवर, पन्नी एवं तिरपाल की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि खुले में रखे धान के सभी स्टैक को मजबूत रस्सियों से अच्छी तरह बांधा जाए, ताकि तेज हवाओं के कारण तिरपाल एवं कैप कवर उड़ने की स्थिति निर्मित न हो। जमीन से आने वाले पानी और नमी से धान को बचाने के लिए पर्याप्त डनेज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी उपार्जन केंद्रों के फड़ के चारों ओर जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने तथा नालियों की सफाई कराने के निर्देश दिए हैं। किसी भी स्थिति में केंद्रों में पानी का जमाव नहीं होना चाहिए।

मार्कफेड के माध्यम से चयनित केंद्रों पर होगी लघु धान्य फसलों की खरीदी

रायपुर। बेमेतरा जिले के किसानों के लिए खरीफ वर्ष 2026 में खेती से आय बढ़ाने और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। अब धान के साथ-साथ कोदो, कुटकी एवं रागी जैसी लघु धान्य फसलों की भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी। बेमेतरा जिले में पहली बार इन फसलों का उपार्जन मार्कफेड के माध्यम से चयनित खरीदी केंद्रों पर किया जाएगा। इस पहल से लघु धान्य फसलों की खेती करने वाले किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए एक व्यवस्थित व्यवस्था उपलब्ध होगी तथा उन्हें निर्धारित समर्थन मूल्य का लाभ मिल सकेगा। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीफ वर्ष 2026 में कोदो, कुटकी एवं रागी की खरीदी के लिए समर्थन मूल्य निर्धारित कर दिया गया है। इसके अंतर्गत कोदो का समर्थन मूल्य 3200 रुपये प्रति क्विंटल, कुटकी का 3350 रुपये प्रति क्विंटल तथा रागी का 5205 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी से किसानों को उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

युवा देश के मजबूत कंधे हैं, युवाओं की प्रगति से ही राष्ट्र की प्रगति संभव : संजय अग्रवाल

मनसा कॉलेज भिलाई में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल हुए छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष, विद्यार्थियों को योग, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल आज भिलाई स्थित मनसा कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी स्वस्थ जीवन एवं समग्र विकास के लिए योग की आधारशिला में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं से संवाद किया तथा योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और युवाओं के व्यक्तित्व के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए।





कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न योगासनों एवं योग क्रियाओं का आकर्षक प्रदर्शन कर योग के महत्व, शारीरिक क्षमता, मानसिक एकाग्रता और अनुशासन का परिचय दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों और योग के प्रति उनकी रुचि की सराहना करते हुए संजय अग्रवाल ने कहा कि युवाओं में अपार ऊर्जा, प्रतिभा और संभावनाएं हैं। आवश्यकता केवल इस बात की है कि उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा प्रदान की जाए।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संजय अग्रवाल ने कहा कि युवा हमारे देश के मजबूत कंधे हैं। आप आगे बढ़ेंगे, बेहतर करेंगे और अपने जीवन में नए लक्ष्य हासिल करेंगे, तभी हमारा देश भी आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी की सोच, शिक्षा, संस्कार और कार्यक्षमता पर निर्भर करता है। युवाओं को अपने व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता का अर्थ केवल अच्छे पद या उपलब्धियां हासिल करना नहीं है, बल्कि अपने ज्ञान, कौशल और संस्कारों के माध्यम से समाज को बेहतर बनाने में योगदान देना भी है। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, समय का सदुपयोग करने और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने की आवश्यकता है। शिक्षा के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच व्यक्ति को वास्तविक रूप से सक्षम बनाते हैं। योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा है, जिसने संपूर्ण विश्व को स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने का मार्ग दिखाया है। योग केवल शारीरिक व्यायाम या कुछ आसनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शरीर, मन और विचारों के बीच संतुलन स्थापित करने वाली संपूर्ण जीवन पद्धति है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति में एकाग्रता, आत्मसंयम, सकारात्मकता और कार्यक्षमता का विकास होता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे योग को केवल किसी विशेष दिवस या आयोजन तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाएं। आज की प्रतिस्पर्धात्मक जीवनशैली में मानसिक तनाव, अनियमित दिनचर्या और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग युवाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। संजय अग्रवाल ने महाविद्यालय के शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं करते, बल्कि वे आने वाली पीढ़ी के विचारों, व्यक्तित्व और भविष्य का निर्माण भी करते हैं। शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ जीवन के व्यावहारिक मूल्यों, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए भी प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ योग आयोग का निरंतर प्रयास है कि प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों, युवाओं और आम नागरिकों तक योग की पहुंच सुनिश्चित हो। योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना और समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज की युवा पीढ़ी अपनी प्रतिभा, परिश्रम, अनुशासन और संकल्प के बल पर न केवल अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएगी, बल्कि विकसित भारत के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण, प्रबंधन से जुड़े प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

प्रोजेक्ट दिनकर: बालोद के 15 गांव बनेंगे शत-प्रतिशत सौर ऊर्जीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बालोद जिले के गांवों को शत प्रतिशत सौर ऊर्जीकृत बनाने की जिला प्रशासन बालोद की पहल 'प्रोजेक्ट दिनकर' अब जमीनी स्तर पर अपना एक कदम बढ़ाने के लिए तैयार है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने आज संयुक्त जिला कार्यालय स्थित सभाकक्ष में प्रोजेक्ट दिनकर' के तहत प्रथम चरण में चयनित 15 ग्रामों के सरपंच एवं सचिवों से चर्चा कर इस उल्लेखनीय पहल की जानकारी उन्हें दी तथा ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य को पूरा करने की पहल में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

बैठक में बताया गया कि प्रोजेक्ट दिनकर के अंतर्गत प्रथम चरण में चयनित सभी 15 ग्रामों को शत-प्रतिशत सौर ऊर्जीकृत (सोलर विलेज) किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को नि:शुल्क बिजली के साथ-साथ महिला स्व-सहायता समूहों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।



बैठक में बताया गया कि इन चयनित ग्रामों में 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' के अंतर्गत हितग्राहियों से किसी भी प्रकार का अतिरिक्त अंशदान नहीं लिया जाएगा, यह योजना पूर्णत: शून्य अंशदान पर आधारित होगी। इसके तहत ग्रामीणों के घरों में 2 किलोवाट क्षमता तक के सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए जाएंगे, जिसका संपूर्ण व्यय केंद्र एवं राज्य शासन की सब्सिडी एवं निर्धारित मॉडल के माध्यम से वहन किया जाएगा। सोलर पैनल लगने से ग्रामीणों का बिजली बिल शून्य हो जाएगा तथा गांवों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवासों के साथ ही अन्य सभी घरों में प्राथमिकता के साथ सोलर पैनल स्थापित किए जाएं।

प्रोजेक्ट दिनकर के तहत गांवों के सभी शासकीय भवनों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं स्ट्रीट लाइटों को भी सौर ऊर्जा से ऊर्जीकृत किया जाएगा। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को त्वरित रूप से कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं स्थानीय स्तर पर आजीविका संवर्धन हेतु महिला स्व-सहायता समूहों को वेंडर बनाया जाएगा तथा इसके लिए आवश्यक वेंडर रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने को कहा गया। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि योजना के अंतर्गत प्राप्त होने वाली सब्सिडी की राशि संकुल स्तरीय संगठन (सीएलएफ) के खाते में जाएगी, जिसके लिए हितग्राहियों से सहमति पत्र प्राप्त किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि प्रथम चरण में ग्राम उकारी, नलकसा, हिड़कापार, कुंवागोंदी, कोपेडेरा, तुएदण्ड, दुहकाटोला, कुमुडकट्टा, गैंजी, परसुटोला, जमही, अड़जाल, कामता, औराटोला तथा गुजरा को शत प्रतिशत सौर ऊर्जा से ऊर्जीकृत किया जाएगा। इसके लिए अब संबंधित ग्राम के सरपंच एवं सचिवों द्वारा ग्राम स्तर पर ग्रामीणों की बैठक लेते हुए इस अभिनव पहल के संबंध में जानकारी दी जाएगी तथा उनसे सहमति पत्र प्राप्त कर इस पहल की शुरूआत की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील कुमार चंद्रवंशी, विद्युत विभाग के अधिकारी एवं संबंधित जनपद पंचायतों के सीईओ आदि उपस्थित रहे।

राज्य बकरी उद्यमिता विकास योजना से मंगेश पोटाई बने आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार जिले में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा उन्हें स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पशुधन विकास विभाग की राज्य बकरी उद्यमिता विकास योजना ग्राम मातला निवासी मंगेश पोटाई के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम बन रही है।

योजना से मिली आर्थिक सहायता एवं विभागीय मार्गदर्शन के फलस्वरूप उन्होंने बकरी पालन को अपनी आजीविका का बेहतर साधन बनाया है। ग्राम पंचायत मातला, विकासखंड नारायणपुर निवासी मंगेश पोटाई, पिता गिंजरू राम, को बकरी पालन में रुचि थी और वे इसे अपनी आय का प्रमुख साधन बनाना चाहते थे। लेकिन पर्याप्त आर्थिक संसाधन नहीं होने के कारण वे इस व्यवसाय को बड़े स्तर पर शुरू नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में राज्य बकरी उद्यमिता विकास योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने पशु चिकित्सालय बेनूर से संपर्क कर योजना का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की। योजना के अंतर्गत उन्हें 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई, जिससे बकरी पालन व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद मिली। पशु चिकित्सालय बेनूर के विभागीय मार्गदर्शन से पोटाई ने बकरियों के उचित रखरखाव, संतुलित आहार, स्वच्छ आवास तथा समय-समय पर पशु चिकित्सा सेवाओं के महत्व को समझा और बकरी पालन को व्यवस्थित तरीके से संचालित करना शुरू किया।

32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के अंतर्गत 24वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस का भव्य शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान की प्रवृत्ति और नवाचार की भावना विकसित करने के उद्देश्य से 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2026 के अंतर्गत 24वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आज पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में शुभारंभ हुआ। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीकॉस्ट) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बाल वैज्ञानिक अपनी शोध परियोजनाओं और अभिनव विचारों के माध्यम से वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

उद्घाटन समारोह में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति एवं



निदेशक ओ.पी. व्यास, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति सच्चिदानंद शुक्ल एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक प्रशांत कविश्वर शामिल हुए।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी आईआईआईटी के कुलपति ओ.पी. व्यास ने बाल वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए अपने शैक्षणिक एवं शोध अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में होने वाले नए अनुसंधानों और आविष्कारों की बुनियाद मौलिक विज्ञान है। वैज्ञानिक प्रगति के लिए जिज्ञासा, तार्किक चिंतन और समस्याओं का विश्लेषण करने की क्षमता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते उपयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान समय में एआई की सहायता से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करना सरल हो गया है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है सही, सार्थक और गुणवत्तापूर्ण प्रश्न तैयार करना। बेहतर प्रश्न ही बेहतर समाधान और नई वैज्ञानिक खोजों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने बाल वैज्ञानिकों को नई तकनीकों का रचनात्मक उपयोग करने तथा अपनी जिज्ञासा और मौलिक सोच को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति सच्चिदानंद शुक्ल ने कहा कि विद्यार्थियों में नई सोच, रचनात्मकता और विभिन्न विषयों को समझने की अद्भुत क्षमता होती है। विशेष रूप से 10 से 24 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं में बहुमुखी विचार और नवाचार की व्यापक संभावनाएं होती हैं। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे प्रत्येक विद्यार्थी को अपने बच्चे की तरह समझें, उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करें और उन्हें स्वतंत्र रूप से सोचने तथा नए प्रयोग करने के अवसर प्रदान करें। उन्होंने विश्वविद्यालय में स्थापित आइडियाथॉन का उल्लेख करते हुए बाल वैज्ञानिकों को इसके अवलोकन के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों के नए विचारों को प्रोत्साहित करने और उन्हें व्यावहारिक स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक प्रशांत कविश्वर ने बाल वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रतिभागियों को अपनी शोध परियोजनाओं को आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बाल विज्ञान कांग्रेस बच्चों को अपने आसपास की समस्याओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने और उनके समाधान खोजने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है।

इस वर्ष बाल विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय 'सततता के लिए विज्ञान एवं नवाचार' निर्धारित किया गया है। इस मुख्य विषय के अंतर्गत पांच उपविषयों पर बाल वैज्ञानिकों द्वारा शोध परियोजनाएं तैयार की जा रही हैं। राज्य के सभी 33 जिलों से कुल 4,228 बाल वैज्ञानिक समूहों के 8,456 बाल वैज्ञानिकों ने पोर्टल के माध्यम से पंजीयन कराया है। अक्टूबर एवं नवम्बर 2026 के दौरान सभी जिलों में जिला स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया।

आयुष विभाग की व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने दुर्ग के रुआबाँधा में आयुष विभाग के अधिकारियों के साथ पहली बार समीक्षा बैठक कर विभागीय गतिविधियों, वर्तमान व्यवस्थाओं, उपलब्ध सुविधाओं एवं भविष्य की कार्ययोजना को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य आयुष सेवाओं को अधिक प्रभावी, व्यवस्थित और जनहितकारी बनाते हुए प्रदेश के अधिक से अधिक लोगों तक आयुर्वेद एवं योग की पहुंच सुनिश्चित करना रहा।

बैठक के दौरान संजय अग्रवाल ने विभाग के अधिकारियों से उनके कार्यानुभव, सुझावों एवं जमीनी स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने आयुष संस्थानों में उपचार के लिए पहुंचने वाले मरीजों की संख्या, उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं, संसाधनों की उपलब्धता तथा विभागीय कार्यप्रणाली की



विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग की वास्तविक सफलता उसकी योजनाओं और व्यवस्थाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचने से सुनिश्चित होती है। इसलिए आवश्यक है कि विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और बेहतर समन्वय के साथ काम किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आयुर्वेद एवं आयुष पद्धतियां हमारी प्राचीन और समृद्ध चिकित्सा परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। आज के समय में इन पद्धतियों के प्रति लोगों का विश्वास और जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। इसके लिए उपचार सुविधाओं में सुधार, आमजन के बीच प्रचार-प्रसार तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। साथ ही विभागीय नियमों एवं व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार को लेकर भी सकारात्मक सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया।

संजय अग्रवाल ने अपने संबोधन में ज्ञान, अनुशासन और सही दिशा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि बिना शास्त्र के शस्त्र का ज्ञान खतरनाक हो सकता है। इसलिए किसी भी कार्य को आगे बढ़ाने के लिए उसके मूल ज्ञान, सिद्धांतों और उद्देश्य को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता उसकी होती है जिसका प्रदर्शन होता है, लेकिन जिसकी परंपरा केवल दर्शन तक सीमित हो, वह अपनी वास्तविक क्षमता को सामने नहीं ला पाती। योग हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा है, इसे केवल मंचों और आयोजनों तक सीमित रखने के बजाय प्रत्येक व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

बैठक में युवतियों एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने के उद्देश्य से सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रदेश में 1800 योग शिक्षकों की भर्ती तथा योग शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इन विषयों को प्रदेश में योग एवं आयुष सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया गया।

उन्होंने कहा कि योग और आयुष केवल स्वास्थ्य से जुड़ी व्यवस्थाएं नहीं हैं, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण का आधार भी हैं। प्रदेश के दूरस्थ, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों तक इनकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को समन्वित प्रयास करने होंगे। विभाग की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए नियमित समीक्षा और जमीनी स्तर पर कार्यों की प्रभावी निगरानी भी आवश्यक है।

संजय अग्रवाल ने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे अपने अनुभवों और सुझावों के आधार पर विभाग को नई दिशा देने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प आयुष एवं योग की समृद्ध परंपरा को जन-जन तक पहुंचाना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और छत्तीसगढ़ को स्वस्थ, सशक्त एवं योगमय प्रदेश बनाने की दिशा में ठोस प्रयास करना है। बैठक में आयुष विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे तथा विभागीय व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण सुझावों एवं प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया।







टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर पर मिली आलिया को जगह

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री आलिया भट्ट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। अपनी शानदार अदाकारी और अलग-अलग तरह के किरदारों से दर्शकों का दिल जीतने वाली आलिया अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियां बटोर रही हैं।

उन्हें टाइम मैगजीन की पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर स्टार के तौर पर जगह मिली है। मैगजीन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके सफर, फिल्मों में उनके किरदारों के चुनाव और फिल्म सेट पर महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल की वकालत करने के उनके प्रयासों को सराहा है।

आलिया को बताया 'बॉलीवुड आइकन'

टाइम मैगजीन ने इंस्टाग्राम पर आलिया को कवर स्टार घोषित करते हुए उन्हें 'बॉलीवुड आइकन' बताया। मैगजीन ने लिखा, 'हमारी पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट की कवर स्टार से मिलिए, बॉलीवुड आइकन आलिया भट्ट।'

इसके साथ ही प्रकाशन ने इस बात पर भी गौर किया कि कैसे आलिया ने इंडस्ट्री में एक नई कलाकार के तौर पर शुरुआत की और धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई।

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से की शुरुआत

आलिया भट्ट ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, साल 2014 में इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने वीरा त्रिपाठी का किरदार निभाया था, जो किडनैप होने के बाद खुद को समझने और अपनी जिंदगी को नए नजरिए से देखने का सफर तय करती है। इस फिल्म ने दर्शकों के बीच आलिया की अभिनय क्षमता को लेकर बनी धारणा बदल दी। मैगजीन के मुताबिक, आलिया का फिल्मी सफर ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब बॉलीवुड का पारंपरिक स्टार सिस्टम बदल रहा था और कलाकारों के सामने एक नई तरह की सेलिब्रिटी संस्कृति की चुनौतियां थीं। 'हाईवे' के बाद आलिया ने लगातार ऐसे किरदार चुने, जिनमें उन्हें अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का मौका मिला। फिल्म 'उड़ता पंजाब' में उन्होंने पंजाब के ड्रग्स कारोबार के बीच फंसी बिहार की एक प्रवासी मजदूर का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड भी मिला।

कमर्शियल फिल्मों में भी आलिया ने किया काम

अपने करियर में आलिया ने जहां '2 स्टेट्स' जैसी कमर्शियल फिल्मों में काम किया, वहीं 'राजी', 'डियर जिंदगी' और 'गली बॉय' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की है।

सिर्फ फिल्मों ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल बनाने की पैरवी को लेकर भी आलिया चर्चा में रही हैं। खासतौर पर फिल्म सेट पर महिलाओं की सुविधाओं और उनके काम करने की परिस्थितियों को बेहतर बनाने की दिशा में उनकी आवाज को मैगजीन ने अहमियत दी है। हाल ही में आलिया मुंबई में आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर भी अपने लुक को लेकर चर्चा में रही थीं। इस दौरान वह डिजाइनर रितु कुमार के तैयार किए गए ब्लैक और एंटीक गोल्ड रंग के बेहद खूबसूरत आउटफिट में नजर आई थीं।

साई पल्लवी को 'सीता' के रूप में देख क्या बोले उनके दादा?



नमित मल्होत्रा की फिल्म 'रामायण' की इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, रवि दुबे समेत कई कलाकार नजर आए। फिल्म में साई पल्लवी को सीता के किरदार में देखने के लिए जहां कुछ फैंस उत्साहित थे, वहीं कुछ ने उनकी कास्टिंग को लेकर भी सवाल भी उठाए।

इस बीच अब एक्ट्रेस ने बताया है कि 'रामायण' में सीता बनने को लेकर उनके दादा ने क्या प्रतिक्रिया दी। साई ने बताया कि उनके दादा ने उनके अभिनय को लेकर जो बात कही थी, उसका असली मतलब कुछ और ही था। दरअसल, सोशल मीडिया पर साई पल्लवी के दादा का एक वीडियो वायरल हो रहा था। इस वीडियो में वह कहते सुनाई दे रहे थे कि साई ने 'रामायण' में अभिनय नहीं किया है। अब एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने इस वीडियो की सच्चाई बताई है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को एडिट किया गया था और उसमें उनके दादा की पूरी बात नहीं दिखाई गई थी। साई के मुताबिक, उनके दादा की यह बात दरअसल उनकी तारीफ थी। उन्होंने बताया कि उनके दादा ने कहा था, 'मुझे नहीं लगता कि उसने अभिनय किया है, मुझे लगता है कि उसके जरिए खुद भगवान ने अभिनय किया है।'

दादा-दादी बचपन में कहते थे देवी-देवता

साई पल्लवी ने इससे पहले एक अन्य इंटरव्यू में अपने बचपन और परिवार से जुड़ी एक खास बात भी साझा की थी। उन्होंने बताया था कि उनके दादा-दादी उन्हें और परिवार के दूसरे बच्चों को अक्सर देवी-देवता कहकर बुलाते थे। हालांकि, इसके साथ कुछ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती थीं। साई ने बताया कि जब भी बच्चे कोई गलती करते थे, तो उनके दादा-दादी उन्हें याद दिलाते थे कि वे देवी हैं और उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

अभिनेत्री ने बताया, 'मैं ऐसे घर में पली-बढ़ी हूं, जहां मेरे दादा-दादी हमें देवी-देवता कहकर बुलाते थे। जब हम कुछ गलत करते थे, तो वे कहते थे कि तुम देवी हो, तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे काफी दबाव महसूस होता था।' साई ने यह भी बताया, 'जब मुझे यह किरदार ऑफर हुआ, तो सबसे पहले मैंने अपने दादा-दादी को इसके बारे में बताया था। वे यह सुनकर बहुत खुश हुए थे।' बता दें कि नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' में रणबीर भगवान 'राम' और यश 'रावण' की भूमिका में नजर आए। फिल्म का पहला भाग 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुआ, जबकि इसका दूसरा भाग दिवाली 2028 में रिलीज होने वाला है।

छोटे बच्चे को न खिलाएं ये चीजें

सेहत को पहुंचा सकती हैं नुकसान



छह महीने के बाद से बच्चों को दूध के साथ-साथ ठोस आहार का सेवन करवाना शुरू कर देना चाहिए, लेकिन कुछ चीजें बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इस सूची में गाय का दूध, मीठे व्यंजन, रिफाइंड अनाज और पाश्चुरीकृत जूस आदि चीजें शामिल हैं, जिनका सेवन छोटे बच्चों को करवाना बाल चिकित्सक सही नहीं मानते हैं। आइए जानते हैं कि ये खान-पान की चीजें छोटे बच्चों के लिए क्यों नुकसानदायक हैं।

गाय का दूध

छोटे बच्चों के लिए गाय का दूध पचाना कठिन हो सकता है। वहीं, गाय के दूध में आयरन और विटामिन-श्च जैसे सभी पोषक तत्व भी नहीं होते हैं और एक बच्चे के विकास के लिए इन पोषक तत्वों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। एक बार जब आपका बच्चा एक साल का हो जाए तो आप उसे सीमित मात्रा में गाय का दूध पिला सकते हैं।

मीठी चीजें

अपने छोटे बच्चे को मीठी चीजें खिलाने से उनके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। चॉकलेट और कैंडीज आदि के सेवन से बच्चों के दांतों और समग्र स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। शायद आपको न पता हो, लेकिन बच्चे को किसी भी रूप में शहद देने से उसको बोटुलिज्म हो सकता है। अगर आपके बच्चे को मीठा अच्छा लगता है तो आप उसे केले जैसे फल खिला सकते हैं, क्योंकि ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

पाश्चुरीकृत फलों का जूस

पाश्चुरीकृत फलों का जूस छोटे बच्चों में मां के दूध की भूख को कम कर सकता है, जो जीवन के पहले वर्ष में उसका मुख्य आहार होना चाहिए। यह जूस इनके दांत खराब करने के साथ-साथ कई पाचन संबंधित समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। छोटे बच्चों को हमेशा घर में बना ताजा फलों का जूस देना ही सही रहता है।

रिफाइंड अनाज

छोटे बच्चों को सफेद चावल और सफेद ब्रेड जैसे रिफाइंड अनाज का अधिक सेवन कराने से उन्हें हृदय रोग, मधुमेह और ट्राइग्लिसराइड्स जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इनकी बजाय छोटे बच्चों की डाइट में साबुत अनाज से युक्त चीजों को शामिल करें। साबुत अनाज फाइबर से भरपूर होते हैं, जो ब्लड शुगर को स्थिर रखने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त इससे बच्चों के समग्र स्वास्थ्य को बहुत लाभ होता है।

पनीर

अगर आपका बच्चा अभी एक साल का भी नहीं हुआ है तो उसे पनीर न खिलाएं। माना कि पनीर एक स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ है, लेकिन छोटे बच्चों को पनीर का सेवन फायदे की बजाय नुकसान पहुंचा सकता है। इसका मुख्य कारण यह है कि पनीर में लिस्टेरिया नामक बैक्टीरिया होता है, जो बच्चे के पाचन को प्रभावित कर सकता है। इससे आपके बच्चे को पाचन संबंधी परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

बिग बॉस में पति विक्की जैन ने नहीं दिया साथ, अंकिता बोलीं- जिंदगी में कभी इतना नहीं रोई.....



अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने पति विक्की जैन के साथ अपने रिश्ते, पुरानी लड़ाइयों और बिग बॉस के घर में बिताए मुश्किल पलों को लेकर खुलकर बात की है। अंकिता का कहना है कि पहले उनके और विक्की के बीच काफी झगड़े होते थे, लेकिन बिग बॉस में साथ रहने के बाद दोनों एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने लगे हैं। अब उनके रिश्ते में पहले से ज्यादा समझदारी आ गई है और आपसी बहस भी काफी कम हो गई है। अंकिता हाल ही में पति विक्की जैन के साथ नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो डबल डेट में पहुंचीं। इस दौरान दोनों ने अपने रिश्ते के कई अनकहे पहलुओं पर बात की। अंकिता ने रियलिटी शो बिग बॉस के दौरान के भावुक पलों को याद किया, वहीं विक्की ने भी शो में अपने अनुभव और चुनौतियों के बारे में बताया। अंकिता ने अपने रिश्ते में आए बदलाव को लेकर कहा, पहले हमारी बहुत लड़ाइयां होती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं होता। पहले शायद एक-दूसरे को समझने में काफी परेशानी होती थी, लेकिन बिग बॉस के बाद हमारे बीच समझदारी बढ़ गई है।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें कई सालों से बिग बॉस का ऑफर मिल रहा था, लेकिन वह हर बार इसे ठुकरा देती थीं। उन्होंने कहा, मुझे हर साल बिग बॉस वाले बुलाते थे, लेकिन मैं हमेशा मना कर देती थी। मैं और विक्की दोनों रियलिटी शो के बड़े फैन हैं। जब उन्होंने दोबारा संपर्क किया तो मैंने कहा कि मैं तभी आऊंगी, जब विक्की भी मेरे साथ आएंगे। मेकर्स इसके लिए तैयार हो गए। घर में जाने से पहले हमने तय किया था कि क्या करेंगे और कैसे खेलेंगे, लेकिन वहां पहुंचते ही मैं खुद गेम खेलने लगी। उन्होंने कहा, शो के दौरान मेरे लिए सबसे मुश्किल दौर वह था, जब मुझे लगा कि विक्की मेरा साथ नहीं दे रहे हैं। वह अपने गेम में व्यस्त थे और मैं घर के अंदर खुद को अकेली महसूस कर रही थी। मुझे बहुत रोना भी आया। मैंने अपनी पूरी जिंदगी में इतने आंसू नहीं बहाए, जितने उस घर में रोई हूं।

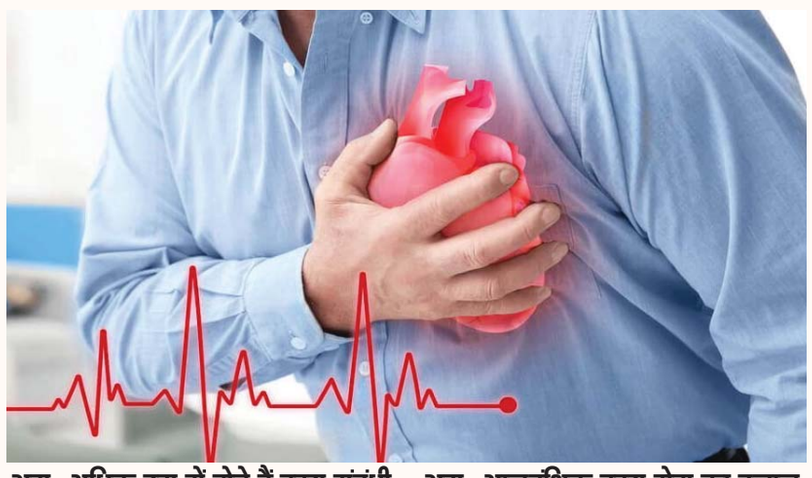
अंकिता ने कहा, उस समय सिर्फ विक्की की गलती नहीं थी। दोनों की उम्मीदें अलग-अलग थीं। मैं अपने पति से प्यार, इमोशनल सपोर्ट और भरोसा चाहती थीं, जबकि विक्की का पूरा ध्यान गेम खेलने और अपनी जगह बनाने पर था। हम इन परिस्थितियों को अलग-अलग तरीके से देख रहे थे।

वहीं, विक्की जैन ने भी शो के दौरान खुद पर बने दबाव के बारे में बात की। उन्होंने कहा, अंकिता पहले से ही टीवी और मनोरंजन जगत का जाना-पहचाना चेहरा थीं। उनकी अपनी पहचान और फैन फॉलोइंग थी, मेरे लिए यह एक नई शुरुआत थी। मुझे शो में अपनी अलग पहचान बनानी थी और दर्शकों के बीच खुद को साबित करना था।

विक्की ने कहा, शो के दौरान मुझे नेपो पति जैसे नामों से भी बुलाया गया। इस वजह से मेरे लिए अपनी अलग पहचान बनाना और भी चुनौतीपूर्ण हो गया था।

लोगों में हैं हृदय संबंधी बीमारियों से जुड़े ये भ्रम, यह है इनकी सच्चाई

विश्व स्तर पर हृदय रोग हर साल 17.9 लाख मौतों का कारण बनता है और इसके जिम्मेदार इलाज को अनेदखा करना और झूठी धारणाएं हो सकती हैं। दरअसल, हृदय संबंधी रोगों को लेकर लोगों में कई ऐसी धारणाएं या भ्रम हैं, जो हृदय रोग से ग्रस्त लोगों के लिए खतरा साबित हो सकती है या फिर शरीर को हृदय रोगों की चपेट में लाने का कारण बन सकती हैं। आइए आज कुछ भ्रम और उनकी सच्चाई जानें।



भ्रम- अधिक उम्र में होते हैं हृदय संबंधी रोग

यह सिर्फ एक भ्रम है कि हृदय रोग अधिक उम्र के लोगों को ही होता है, जबकि ऐसा नहीं है। हृदय रोग किसी भी उम्र में हो सकता है। असंतुलित जीवनशैली, गलत खान-पान और मोटापा आदि इसका खतरा बढ़ा सकते हैं। कई अध्ययनों के अनुसार, दिल के दौरे के 60 प्रतिशत लोग 50 वर्ष से कम उम्र के होते हैं और 40 प्रतिशत अन्य हृदय रोगों से ग्रस्त लोगों की उम्र 40 वर्ष से कम होती है।

भ्रम- आनुवंशिक हृदय रोग का इलाज नहीं होता है

कई लोगों का ऐसा मानना है कि आनुवंशिक हृदय रोग का इलाज नहीं होता है, लेकिन यह एक भ्रम से ज्यादा और कुछ नहीं है। अगर आपके माता-पिता को हृदय रोग होने के कारण यह आपको भी है तो इसके जोखिमों को कम करने के लिए कुछ कदम उठाए जा सकते हैं। शारीरिक रूप से सक्रिय रहें, स्वस्थ भोजन करें, वजन बनाए रखने समेत ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखना बहुत जरूरी है।

भ्रम- हाई ब्लड प्रेशर के लक्षण होते हैं

अगर आपका मानना है कि हाई ब्लड प्रेशर के लक्षण होते हैं तो बता दें कि यह सिर्फ एक भ्रम है। हाई ब्लड प्रेशर एक साइलेंट किलर समस्या है। इससे जुड़े कोई शारीरिक लक्षण हैं और यह कभी भी किसी भी व्यक्ति को दिल के दौरे जैसी बीमारियों की चपेट में ला सकता है। इसलिए समय-समय पर अपने ब्लड प्रेशर की जांच करवाना जरूरी है।

भ्रम- सीने में दर्द होना ही दिल के दौरे का एकमात्र लक्षण है

शायद यह सबसे आम भ्रम है कि सीने में दर्द होना दिल के दौरे का एकमात्र लक्षण है, लेकिन यह सच नहीं है। सीने में दर्द होने के साथ-साथ सांस की तकलीफ, सीने में जलन, पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द, मतली, उल्टी, पीठ में दर्द, जबड़े में दर्द, चक्कर आना और अत्यधिक थकान आदि भी दिल के दौरे के लक्षण होते हैं। महिलाओं की तुलना में पुरुषों को दिल का दौरा पड़ने की संभावना अधिक रहती है।

भ्रम- दिल का दौरा पड़ने के बाद एक्सरसाइज करना जोखिम भरा हो सकता है

यह भी हृदय स्वास्थ्य से जुड़ा एक आम भ्रम है कि दिल का दौरा पड़ने के बाद एक्सरसाइज करना जोखिम भरा हो सकता है, जबकि यह एक गलत धारणा है। भले ही कोई भी हृदय रोग हो, उसके जोखिम को कम करने के लिए डॉक्टरी सलाह के अनुसार अपने रूटीन में एक्सरसाइज को शामिल करें। दिन में 30-45 मिनट तक ब्रिस्क वॉक करना सबसे अच्छी एक्सरसाइज में से एक है।

खास-खबर

प्रधानमंत्री आवास योजना से रामकुमार कश्यप के परिवार को मिला पक्का आशियाना

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम पेंड्री निवासी रामकुमार कश्यप के परिवार का पक्के घर का सपना साकार हुआ है। सीमित आमदनी के कारण वर्षों तक जर्जर कच्चे मकान में रहने वाला यह श्रमिक परिवार अब सुरक्षित आवास में रह रहा है। नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पेंड्री निवासी श्री कश्यप के पुराने मकान की छत से बरसात में पानी टपकता था। दीवारों में सीलन और मकान की जर्जर स्थिति से परिवार को परेशानी होती थी। आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे अपने संसाधनों से पक्का मकान बनवा सकें। वित्तीय वर्ष 2024-25 में श्री कश्यप को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण के लिए 1 लाख 20 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत हुई। यह राशि किस्तों में सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। इसके साथ ही उन्हें रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत 90 मानव दिवस की मजदूरी और स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार रुपये की सहायता भी मिली।

समर्थन मूल्य पर होगी कोदो-कुटकी की खरीदी, किसान 31 दिसंबर तक कराएं पंजीयन

खैरागढ़। किसानों की आय बढ़ाने तथा फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा कोदो-कुटकी को MSP में खरीदी करने की विशेष पहल की जा रही है। जिसके तहत कोदो-कुटकी फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी जो किसानों को उनकी उपज का उचित एवं सुनिश्चित मूल्य दिलाने की दिशा में विशेष पहल है। इसके अतिरिक्त कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत कोदो-कुटकी की फसल लेने वाले किसानों को 10,000 प्रति एकड़ की आदान सहायता राशि प्रदान की जा रही है। कृषि विभाग के उप संचालक चित्रांगद ठाकुर ने बताया कि कोदो-कुटकी फसल उपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी तथा कृषक उन्नति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए सेवा सहकारी समितियों में पंजीयन किया जाना अनिवार्य है। शासन द्वारा एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 31 दिसंबर 2026 की गई है। अब किसान निर्धारित समय-सीमा के भीतर कोदो-कुटकी का पंजीयन कर सकते हैं। जिले के छुईखदान विकासखंड में व्यापक स्तर पर दूरांचल क्षेत्र के कृषको के द्वारा कोदो-कुटकी फसल का उत्पादन लिया जा रहा है इन किसानों के कोदो-कुटकी फसल उपज की खरीदी के लिए बकरकट्टा, नचनिया, ठाकुरटोला एवं पाटा को केन्द्र बनाने का प्रस्ताव भेजा गया है शासन से खरीदी केन्द्र निर्धारित होने पर इन केन्द्रों के माध्यम से खरीदी किया जायेगा।

बड़े सपने देखें, लक्ष्य निर्धारित करें और पूरी लगन से आगे बढ़ें: वित्त मंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायगढ़ जिले से शैक्षणिक भ्रमण पर रायपुर पहुंचे छात्र-छात्राओं से अपने रायपुर स्थित निवास पर आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा, करियर, भविष्य की संभावनाओं और जीवन में सफलता प्राप्त करने के विभिन्न पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने बच्चों को बड़े सपने देखने, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें साकार करने के लिए पूरी लगन, अनुशासन एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।



रायगढ़ जिले से आए छात्र-छात्राओं ने रायपुर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण कर वहां की शैक्षणिक गतिविधियों, अध्ययन की सुविधाओं और उच्च शिक्षा के अवसरों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने वित्त मंत्री चौधरी से उनके रायपुर निवास पर मुलाकात की। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने उनके निवास का भी भ्रमण किया। वित्त मंत्री ने बच्चों से आत्मीयता के साथ बातचीत करते हुए उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य की आकांक्षाओं के बारे में जानकारी ली।

विद्यार्थियों से मुलाकात ने ताजा की बचपन और छात्र जीवन की स्मृतियां: वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ से आए बच्चों से मिलकर उन्हें अपने बचपन और विद्यार्थी जीवन के दिनों की स्मृतियां ताजा हो गईं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति, कठिन परिश्रम और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। परिस्थितियां कैसी भी हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे प्राप्त करने का दृढ़ संकल्प हो, तो सफलता की राह बनाई जा सकती है।

श्री चौधरी ने कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य की मजबूत नींव तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इस दौरान अर्जित ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और अनुभव जीवनभर काम आते हैं। उन्होंने बच्चों को अपनी जिज्ञासा बनाए रखने, नई चीजें सीखने और उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार प्रतिबद्ध: वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य का आधार है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार रायगढ़ सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं और विकास के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों के ज्ञान और अनुभव का दायरा बढ़ाने के साथ उन्हें नई संभावनाओं से परिचित कराती हैं। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को नजदीक से देखने और वहां की व्यवस्थाओं को समझने से विद्यार्थियों में उच्च शिक्षा तथा अपने भविष्य को लेकर नई सोच विकसित होती है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सभी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रायगढ़ के ये विद्यार्थी अपनी प्रतिभा, मेहनत और संकल्प के बल पर जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त करेंगे तथा अपने परिवार, जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

सेवा सेतु पोर्टल से रवि कुमार साहू को 10 दिनों में मिला स्थायी जाति प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शासकीय सेवाओं को नागरिकों के लिए अधिक सुलभ बनाने की दिशा में सेवा सेतु पोर्टल उपयोगी साबित हो रहा है। पोर्टल के माध्यम से प्रमाण पत्रों के लिए आवेदन करने और तैयार दस्तावेज प्राप्त करने की प्रक्रिया आसान हुई है। जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम अमोरा निवासी रवि कुमार साहू को इसी व्यवस्था के तहत आवेदन के महज 10 दिनों के भीतर स्थायी जाति प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।



अकलतरा तहसील के ग्राम अमोरा निवासी साहू ने आय, निवास एवं जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसील कार्यालय अकलतरा स्थित सेवा सेतु केंद्र में आवेदन किया था। आवेदन के बाद उनके स्थायी जाति प्रमाण पत्र की प्रक्रिया पूरी की गई और 10 दिनों के भीतर प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया गया। प्रमाण पत्र तैयार होने पर उसकी पीडीएफ प्रति उन्हें व्हाट्सऐप के जरिए भेजी गई। इसके बाद प्रमाण पत्र की हार्ड कॉपी भी उपलब्ध कराई गई।

श्री साहू ने बताया कि व्हाट्सऐप पर प्रमाण पत्र की प्रति मिलने से उन्हें दस्तावेज प्राप्त करने में सुविधा हुई। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से शासकीय प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया सरल हुई है। समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध होने से लोगों को अपनी जरूरत के अनुसार उसका उपयोग करने में मदद मिलती है।

स्थायी जाति प्रमाण पत्र मिलने पर श्री रवि कुमार साहू ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल जैसी व्यवस्था से आम नागरिकों को शासकीय सेवाएं सहज और समयबद्ध तरीके से प्राप्त हो रही हैं।

छत्तीसगढ़ अंडर-16 की शानदार जीत, उत्तराखंड को 10 विकेट से हराया

विजय मर्चेंट ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ का दमदार प्रदर्शन, आदित्य बैदवाल ने जड़ा शतक और चंद्र प्रकाश साहू व शौर्य जायसवाल ने झटके 4-4 विकेट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा मेंस अंडर-16 विजय मर्चेंट मल्टी डे ट्रॉफी 2026 का आयोजन 14 नवंबर 2026 से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम ने अपना दूसरा तीन दिवसीय मुकाबला 19 से 21 नवंबर 2026 तक लखनऊ में उत्तराखंड अंडर-16 टीम के विरुद्ध खेला। मुकाबले के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तराखंड को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी।







छत्तीसगढ़ अंडर-16 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तराखंड की टीम अपनी पहली पारी में 33.4 ओवरों में 87 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। उत्तराखंड की ओर से साकेत चौहान ने 25 रन, गगन ने 21 रन तथा धैर्य बदोला ने 17 रन बनाए। छत्तीसगढ़ की ओर से आदित्य बैदवाल ने 5 विकेट तथा चंद्र प्रकाश साहू ने 4 विकेट प्राप्त किए।

इसके जवाब में छत्तीसगढ़ ने अपनी पहली पारी में 80 ओवरों में 223 रन बनाए। छत्तीसगढ़ की ओर से आदित्य बैदवाल ने शानदार शतक लगाते हुए 119 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। वहीं अंशुमन ठाकुर ने 35 रन तथा अनमोल राज सिंह ने 29 रनों का योगदान दिया। उत्तराखंड की ओर से धैर्य बदोला और अयान अली ने 5-5 विकेट प्राप्त किए।

उत्तराखंड की टीम दूसरी पारी में 54.4 ओवरों में 141 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। उत्तराखंड की ओर से धैर्य बदोला ने 39 रन तथा साकेत चौहान ने 20 रन बनाए। छत्तीसगढ़ की ओर से चंद्र प्रकाश साहू और शौर्य जायसवाल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4-4 विकेट प्राप्त किए।

छत्तीसगढ़ को जीत के लिए मात्र 6 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे टीम ने 3.1 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए हासिल कर लिया।

इस तरह छत्तीसगढ़ अंडर-16 ने उत्तराखंड को 10 विकेट से हराकर विजय मर्चेंट ट्रॉफी में शानदार जीत दर्ज की।

एआई से नई सोच को मिलेगी उड़ान, भविष्य की तकनीक से जुड़ेंगे जिले के स्कूली बच्चे

300 से अधिक स्कूलों, 4 हजार से अधिक शिक्षकों और 30 हजार से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य

श्रीकंचनपथ समाचार

सारंगढ़-बिलाईगढ़। आने वाले समय में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार सहित जीवन के अनेक क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की भूमिका बढ़ रही है। बदलते तकनीकी परिवेश में जिले के स्कूली बच्चों को एआई की उपयोगिता से परिचित कराने और उनकी रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के लिए सारंगढ़-बिलाईगढ़ में क्रिएटिव एवं एआई कौशल विकास कार्यक्रम की शुरुआत की गई है।

जिला प्रशासन की इस अभिनव पहल से विद्यार्थियों और शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल तकनीक सीखने के अवसर मिलेंगे।

कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू की विशेष रुचि और नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। स्किल्जा की इस पहल को कैनवा एजुकेशन का सहयोग प्राप्त है। 18 नवंबर से 24 दिसंबर 2026 तक आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले के 300 से अधिक स्कूलों, 4 हजार से अधिक शिक्षकों और 30 हजार से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को एआई के विभिन्न टूल और वास्तविक जीवन में उनकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी जाएगी। बच्चे सीखेंगे कि तकनीक की सहायता से जानकारी को समझने, नए विचार विकसित करने और समस्याओं के समाधान खोजने में किस प्रकार मदद मिल सकती है। इसके साथ ही उन्हें डिजाइन, कहानी कहने की कला और डिजिटल रचनात्मकता से भी परिचित कराया जाएगा। एआई और डिजिटल कौशल से परिचय विद्यार्थियों को भविष्य में उच्च शिक्षा, नए कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के बदलते अवसरों के लिए तैयार होने में सहायक हो सकता है। कार्यक्रम में बच्चों को तकनीक का समझदारी से उपयोग करने के साथ अपनी कल्पनाशीलता और विचार क्षमता को विकसित करने के अवसर दिए जाएंगे।

इस पहल में अनुभव आधारित शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि विद्यार्थी केवल तकनीक के बारे में जानकारी ही प्राप्त न करें, बल्कि स्वयं कुछ बनाकर और प्रयोग करके भी सीख सकें। स्कूल स्तर पर क्रिएटिव एवं एआई चुनौतियां भी आयोजित की जाएंगी, जिनमें विद्यार्थी अपनी प्रतिभा, कल्पनाशीलता और नए विचारों को प्रस्तुत कर सकेंगे।

कक्षा 11वीं कला संकाय की छात्रा दामिनी बंजारे का कहना है कि एआई और डिजिटल डिजाइन सीखने से उन्हें अपनी रचनात्मक सोच को नए तरीके से प्रस्तुत करने में मदद मिलेगी। पोस्टर और अन्य डिजिटल सामग्री तैयार करने का अवसर उनके लिए उपयोगी होगा।

30 नवंबर को लगेगा रोजगार मेला

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग तथा संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण के निर्देशानुसार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, गरियाबंद द्वारा 30 नवंबर 2026 (सोमवार) को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय परिसर में प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। इस रोजगार मेले के माध्यम से निजी प्रतिष्ठानों ग्लोबल एच.आर. सॉल्यूशन एंड जॉब कंसल्टेंट लिमिटेड, दुर्ग तथा स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर में उपलब्ध कुल 230 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें असिस्टेंट मैनेजर, डिप्टी मैनेजर, सिक्योरिटी गार्ड एवं फील्ड ऑफिसर के पद शामिल हैं। रोजगार मेले में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं एवं स्नातक निर्धारित की गई है। इच्छुक आवेदक अपने दो पासपोर्ट साइज फोटो तथा समस्त शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यताओं से संबंधित अंकसूची एवं प्रमाण पत्रों की मूलप्रति और छायाप्रति के साथ निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य है।

बालोद में धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार, 5 हजार से अधिक किसानों से 21,200.92 मीट्रिक टन धान की खरीदी

किसानों को धान बेचने में नहीं होगी परेशानी, 3,140 किसानों के रकबे में किया गया सुधार

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत बालोद जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। बालोद जिले में अब तक 5 हजार से अधिक किसानों से 21,200.92 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को सुगम एवं पारदर्शी खरीदी व्यवस्था उपलब्ध कराने के साथ ही अवैध धान भंडारण, परिवहन और कस्टम मिलिंग में अनियमितताओं पर भी जिला प्रशासन द्वारा सख्ती बरती जा रही है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार धान उपार्जन केंद्रों से लेकर राइस मिलों तक पूरी प्रक्रिया की सतत निगरानी की जा रही है।

खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में 15 नवंबर 2026 से प्रारंभ हुई धान खरीदी के तहत 20 नवंबर तक 5 हजार से अधिक किसानों से कुल 21,200.92 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है। प्रशासन द्वारा सभी खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं व्यवस्थित रहे।

किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की तकनीकी अथवा अभिलेखीय परेशानी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा रकबा एवं फसल संबंधी त्रुटियों के सुधार की विशेष व्यवस्था की गई है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में कुल 1,58,572 किसानों का पंजीयन किया गया है। इनमें से 5,743 किसानों का रकबा समिति मॉड्यूल में शून्य प्रदर्शित हो रहा था।

किसानों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए समिति स्तर पर रकबा सुधार की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके परिणामस्वरूप 20 नवंबर तक 3,140 किसानों के रकबे में सुधार किया जा चुका है। शेष किसानों के प्रकरणों का निराकरण भी प्राथमिकता से किया जा रहा है।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का लाभ वास्तविक किसानों तक सुनिश्चित करने और अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिले में 06 कोचियों के पास अवैध रूप से भंडारित कुल 306.4 क्विंटल धान जब्त किया गया है। संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है। प्रशासन द्वारा धान के अवैध भंडारण एवं परिवहन पर निगरानी रखने के साथ ही संबंधित विभागों को नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराने के लिए भी प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने जिले के राइस मिलरों की बैठक लेकर खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में कस्टम मिलिंग के लिए उठाए गए धान के विरुद्ध चावल जमा करने की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान निर्धारित समय-सीमा में देनदारी का चावल जमा नहीं करने वाले 09 राइस मिलरों के प्रति कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित मिलरों को कस्टम मिलिंग नीति एवं छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश, 2016 के प्रावधानों के तहत कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने संबंधित राइस मिलरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे एक सप्ताह के भीतर राज्य पूल (पीडीएस) में अपनी देनदारी का शेष चावल अनिवार्य रूप से जमा करें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित नियमों और समय-सीमा का पालन प्रत्येक मिलर के लिए आवश्यक है। कस्टम मिलिंग के कार्य में अनावश्यक विलंब अथवा चावल जमा करने में लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिला मुख्यालय में सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से नागरिकों को मिल रही सुविधा

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार नोडल अधिकारी सेवा सेतु एवं डिप्टी कलेक्टर अभिषेक तिवारी द्वारा जिला कार्यालय स्थित सेवा सेतु केन्द्र का निरीक्षण किया गया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान सेवा सेतु केन्द्र में नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केन्द्र में प्राप्त आवेदनों, उनके निराकरण की स्थिति तथा नागरिकों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान ई-डिस्ट्रिक्ट सहायक प्रबंधक आशीष स्वर्णकार एवं सेवा सेतु प्रबंधक उपस्थित थे। जिला मुख्यालय राजनांदगांव में सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराई जा रही हैं।











खास खबर

वीर सावरकर वार्ड में असामाजिक तत्वों का उत्पात, कार में तोड़फोड़

जगदलपुर। वीर सावरकर वार्ड चूना भट्ठी के पास देर रात अज्ञात असामाजिक तत्वों का काफी उत्पात मचाया। अज्ञात बदमाशों ने घर के सामने सड़क किनारे खड़ी एक कार में तोड़फोड़ कर दी। शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, वार्ड निवासी सरजीत सिंह बख्शी ने कार को अपने मकान के सामने सड़क किनारे पार्क किया था। शुक्रवार की सुबह बाहर आकर देखा तो उनके होश उड़ गए। अज्ञात असामाजिक तत्वों ने उनकी कार के सामने का शीशा (विंडशील्ड) तोड़ दिया था। इसके अलावा कार की छत के ऊपरी हिस्से पर भी खरोंच मारकर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। इस वारदात के बाद मोहल्ले के लोगों में भी रोष देखा जा रहा है।

रिसॉर्ट के पास जंगल में मिली युवक की अधजली लाश

बिलासपुर। हत्या के बाद पेट्रोल डालकर जलाने की आशंका, पहचान छिपाने की कोशिश बिलासपुर जिले के कोटा क्षेत्र स्थित शिवतराई जंगल में प्राइवेट रिसॉर्ट के पास युवक की अधजली लाश मिली है। घटनास्थल पर उसकी बाइक भी जली हुई हालत में पड़ी थी। पुलिस को आशंका है कि युवक की हत्या के बाद पहचान और सबूत मिटाने के लिए उसे बाइक समेत जलाया गया होगा। दरअसल, सुनसान जगह पर जली हुई बाइक देखकर स्थानीय लोगों ने पास जाकर देखा तो कुछ दूरी पर युवक का शव पड़ा मिला। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। टीम मौके पर पहुंची लेकिन, शाम ढलने और अंधेरा होने के कारण रात में बारीकी से जांच और सबूत जुटाने की कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी। सूचना मिलने पर गुरुवार देर शाम पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती फोटोग्राफी के अलावा घटनास्थल पर कोई जांच नहीं हो सकी। अंधेरा होने के कारण फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी जांच नहीं कर पाई।

बिलासपुर में युवती ने मेडिकल व्यापारी से वसूले 2 लाख

बिलासपुर। दोस्ती कर साथ में खिंचाई तस्वीरें, फिर सोशल मीडिया पर वायरल करने दी धमकी, अरेस्टबिलासपुर में युवती ने पहले मेडिकल कारोबारी से दोस्ती की, फिर चैटिंग के बहाने साथ में तस्वीरें खिंचाई और वीडियो भी बनवाए। उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर समाज में बदनाम करने और झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर उससे 2 लाख वसूल लिए। पुलिस ने आरोपी युवती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार खपरगंज स्थित कल्लू बाड़ा निवासी 28 वर्षीय सूर्या सोनी मेडिकल व्यावसायी है। उन्होंने 18 नवंबर को कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पब में पार्टनरशिप का झांसा, 3.42 करोड़ ठगे, 3 कारोबारियों को फंसाया, रकम लेकर मुकरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर के तीन कारोबारियों से हैदराबाद के डियाब्लो रेस्टोरेंट और पब में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी देने के नाम पर 3 करोड़ 42 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि जयवीर सिंह सभरवाल और शेषम कौर ने कारोबारियों से पार्टनर बनाने का समझौता किया और किस्तों में पैसे ले लिए। लेकिन न तो उन्हें कंपनी में पार्टनर बनाया और न ही निवेश की जानकारी दी। शिकायत के बाद तारबाहर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफधोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है।

लिंक रोड के शिखर सराफ (38) ने पुलिस को बताया कि साल 2022 में बिलासपुर में गायक सुखविंदर सिंह का कार्यक्रम हुआ था। इसी दौरान उनकी मुलाकात लेडीज सर्कल इंडिया की सदस्य शेषम कौर से उनके घर पर हुई। बातचीत के दौरान शेषम ने हैदराबाद में प्राशी वेंचर्स एलएलपी के तहत डियाब्लो पब शुरू करने की जानकारी दी।

इसके बाद शेषम कौर और जयवीर सिंह सभरवाल ने खुद को कंपनी का अधिकृत पार्टनर बताते हुए शिखर सराफ और उनके साथी रितेश शाह को पब में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी देने का ऑफर दिया।

दोनों कारोबारी इस नए बिजनेस में पैसा लगाने के लिए तैयार हो गए।

एग्रीमेंट कर किस्तों में लिए 3.42 करोड़ रुपए

शिकायत के मुताबिक, 10 जनवरी 2025 को दोनों पक्षों के बीच एग्रीमेंट हुआ। इसके बाद तीन कारोबारियों ने किस्तों में कंपनी के हैदराबाद स्थित खाते में रकम ट्रांसफर की।

इसमें शिखर सराफ ने 1 करोड़ 45 लाख रुपए, रितेश शाह ने 1 करोड़ 35 लाख रुपए और रितेश के साले सक्षम श्रीवास्तव ने 62 लाख 50 हजार रुपए दिए।

इस तरह तीनों ने कुल 3 करोड़ 42 लाख 50 हजार रुपए निवेश किए।



न पार्टनर बनाया, न हिसाब दिया

आरोप है कि रकम लेने के बाद भी आरोपियों ने तीनों कारोबारियों को कंपनी में आधिकारिक तौर पर पार्टनर नहीं बनाया।

उन्हें निवेश से जुड़ा हिसाब-किताब भी नहीं दिया गया। इस पर कारोबारियों ने अपने स्तर पर जानकारी जुटाई।

जांच करने पर उन्हें पता चला कि कंपनी के बाकी पांच पार्टनरों की सहमति के बिना ही उनके साथ हिस्सेदारी का समझौता किया गया था। आरोपियों ने निवेश के नाम पर रकम तो ले ली, लेकिन उन्हें कंपनी में कोई अधिकार नहीं दिया।

किराया नहीं देने पर बंद हो गया पब

कारोबारियों को यह भी पता चला कि जिस डियाब्लो पब में उन्हें हिस्सेदारी देने का वादा किया गया था, वह किराया नहीं चुकाने के कारण कुछ समय बाद बंद हो गया।

आरोप है कि आरोपियों ने कंपनी के आधिकारिक खाते के बजाय अपने पर्सनल क्यूआर कोड के जरिए भी पैसे वसूले। निवेशकों से मिली रकम को पब में लगाने के बजाय दूसरे रेस्टोरेंट प्रोजेक्ट में लगा दिया।

दोनों आरोपियों के खिलाफकेस दर्ज

मामले की शिकायत मिलने के बाद तारबाहर पुलिस ने जयवीर सिंह सभरवाल और शेषम कौर के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस अब पैसों के लेन-देन और कंपनी के खातों की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि निवेश के नाम पर ली गई रकम कहां खर्च की गई।

दवा-कारोबारी से 15 करोड़ की रंगदारी मांगी: कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस-बिश्नोई गैंग का बताया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दवा कारोबारी शशांक चोपड़ा से 15 करोड़ रुपए की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है।

फोन करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताते हुए धमकी दी कि, रकम नहीं दी तो परिवार के एक सदस्य को मार देंगे। धमकी के बाद कारोबारी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

परिवार की सुरक्षा के लिए घर के बाहर तीन दिन से पुलिस तैनात है। मामला कोतवाली थाना इलाके का है।

घर के बाहर पुलिस तैनात, नंबर की जांच जारी

शिकायत मिलने के बाद दुर्ग पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है। कारोबारी के घर के बाहर पुलिस की टीम तैनात की गई है। पुलिस फोन करने वाले का मोबाइल नंबर, कॉल की जानकारी और दूसरे तकनीकी सबूतों के आधार पर जांच कर रही है।

हालांकि, पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग की संलिप्तता से इनकार किया है।

जांच की जा रही है कि फोन करने वाले का गैंग से वास्तव में कोई संबंध है या उसने सिर्फ नाम लेकर कारोबारी को डराने की कोशिश की है। इस मामले में जनवरी 2025 में केस दर्ज किया था। बाद में प्रवर्तन निदेशालय ने भी लेनदेन की जांच शुरू की।

मेडिकल खरीदी मामले में भी चर्चा में रहे हैं शशांक

शशांक चोपड़ा की फर्म मेडिकल उपकरण, जांच में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और स्वास्थ्य से जुड़ा सामान सप्लाई करती है। उनका नाम छत्तीसगढ़ में मेडिकल उपकरण और री-एजेंट की खरीदी से जुड़े कथित घोटाले में भी सामने आया था।

तखतपुर में हार्वेस्टर ने स्कूली बच्चों की वैन को टक्कर मारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। तखतपुर में आज सुबह हार्वेस्टर ने स्कूली बच्चों की वैन को टक्कर मार दी। वैन में 10 से ज्यादा बच्चे सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। टक्कर से वैन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वैन में सवार सभी बच्चे बाल-बाल बच गए।

यह घटना तखतपुर के न्यू बस स्टैंड के पास मेन रोड पर हुई। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने हार्वेस्टर चालक को पकड़ लिया।

मामला तखतपुर थाना क्षेत्र का है। घटना की और जानकारी नहीं मिल सकी है। तखतपुर टीआई सतीश



सिंह ने पूछने पर कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

एपीके फाइल भेजकर बैंक अफसर से 9.49 लाख की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर में बैंक ऑफ बड़ौदा के एक अधिकारी साइबर ठगी का शिकार हो गए। उन्होंने वॉशिंग मशीन सुधरवाने के लिए गूगल पर कस्टमर केयर का नंबर सर्च किया था। ठगों ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताकर उनसे वॉट्सऐप पर एक एपीके फाइल डाउनलोड कराई। इसके बाद उनका मोबाइल हैक कर बैंक खाते से 9.49 लाख रुपए निकाल लिए।

पुलिस के अनुसार, सरकंडा के विवेकानंद नगर मोपका निवासी विपीन किशोर कुजूर (51) बैंक ऑफ बड़ौदा की रहंगी-चकरभाठा शाखा में ज्वाइंट कस्टोडियन अधिकारी हैं। उन्होंने साइबर रेंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया कि उनकी वॉशिंग मशीन खराब हो गई थी। इसे सुधरवाने के लिए उन्होंने 1 नवंबर को गूगल पर कस्टमर केयर का नंबर सर्च किया।

वहां मिले नंबर पर कॉल करने पर ठग ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताया। उसने शिकायत दर्ज करने के बहाने वॉट्सऐप पर एक एपीके फाइल भेजी और उसे डाउनलोड करने को कहा। अधिकारी ने उसमें अपना नाम, पता और मोबाइल नंबर दर्ज किया। हालांकि, इसके बाद प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। इसी दौरान उनका मोबाइल हैक हो गया। कुछ दिन बाद मोबाइल पर खाते से रुपए कटने के मैसेज आने लगे।



बैंक स्टेटमेंट निकलवाने पर पता चला कि 13 से 15 नवंबर के बीच अलग-अलग कुल 9 ट्रांजैक्शन के जरिए ठगों ने उनके खाते से 9 लाख 49 हजार 364 रुपए निकाल लिए।

ओटीपी और पासवर्ड किसी से साझा न करें

साइबर एक्सपर्ट प्रभाकर तिवारी के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति बैंक अधिकारी, कंपनी कर्मचारी या परिचित बनकर ओटीपी, पासवर्ड या बैंक खाते की जानकारी मांगे तो उसे बिल्कुल न दें। फोन पर आया ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। किसी अनजान या संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें।

शिकायत पर साइबर रेंज थाना पुलिस ने धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कस्टमर केयर नंबर की जांच जरूर करें

गूगल पर कस्टमर केयर का नंबर सर्च करते समय सावधानी बरतें। कॉल करने से पहले जांच लें कि नंबर संबंधित कंपनी का आधिकारिक नंबर है या नहीं। कई बार ठग गूगल पर फर्जी कस्टमर केयर नंबर डाल देते हैं। ऐसे नंबरों पर कॉल करने से लोग ठगी का शिकार हो सकते हैं।

बाद में दूसरे को बेच दी जमीन; दो आरोपी गिरफ्तार

पाटन। रानीतराई थाना क्षेत्र में जमीन बेचने का इकरारनामा कर 22 लाख 95 हजार रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपी ने अपनी 0.40 हेक्टेयर कृषि भूमि बेचने का सौदा कर रकम ले ली, लेकिन जमीन की रजिस्ट्री कराने के बजाय दूसरे को बेच दी।

पुलिस ने आरोपी तुकेश कुमार साहू को गिरफ्तार किया है। इस धोखाधड़ी में उसके जीजा उमेन्द्र कुमार साहू की भूमिका भी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, ग्राम बीजाभाठा निवासी नेतराम वर्मा की तुकेश साहू से पुरानी जान-पहचान थी। 13 अक्टूबर 2022 को तुकेश ने आर्थिक जरूरत बताकर उनसे रुपए मांगे और बदले में अपनी जमीन बेचने का प्रस्ताव दिया। इसके बाद नेतराम और उनके दो रिश्तेदारों के बैंक खातों से अलग-अलग चेक के जरिए कुल 20 लाख 95 हजार रुपए दिए गए। वहीं 2 लाख रुपए नकद भी दिए गए। इस तरह कुल 22.95 लाख रुपए का भुगतान किया गया।

रकम लेने के बाद 30 अप्रैल 2025 को खसरा नंबर 534/5 की 0.40 हेक्टेयर जमीन का बिक्री इकरारनामा किया गया। इसके बावजूद आरोपी ने रजिस्ट्री नहीं कराई।

ड्राइवर ने टीआई से की धक्का-मुक्की: ऑटो खड़ा करने को विवाद



बिलासपुर। सिम्स अस्पताल के मेन गेट पर ऑटो खड़ा करने को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान ऑटो ड्राइवर सिविल लाइन थाना प्रभारी रविशंकर तिवारी से भिड़ गया। दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई, फिर धक्का-मुक्की शुरू हो गई। आरोप है कि ऑटो ड्राइवर ने टीआई से गाली-गलौज भी की। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एएसपी पंकज पटेल के मुताबिक, पुलिस ने ऑटो ड्राइवर को पकड़कर थाने लाया था।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार शाम मंगला में एक युवती के पिता और भाई ने उस पर, उसके पति और ससुराल पक्ष के लोगों पर चाकू से हमला कर दिया था। युवती ने लव मैरिज की थी। हमले में परिवार के पांच लोग घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है। इसी मामले की जांच के लिए सिविल लाइन टीआई रविशंकर तिवारी अपनी टीम के साथ अस्पताल पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि सिम्स के मेन गेट के सामने एक ऑटो बेतरतीब तरीके से खड़ा था। वहां ऑटो चालक नशे की हालत में हंगामा कर रहा था। यह देखकर टीआई रविशंकर तिवारी ने उसे रोकने की कोशिश की। इस पर ऑटो चालक भड़क गया और टीआई से बहस करने लगा। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया।

वीडियो में बहस और धक्का-मुक्की दिखी

मौके पर मौजूद लोगों ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया। वायरल वीडियो में टीआई और ऑटो चालक के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की दिखाई दे रही है।

एएसपी बोले- मारपीट नहीं, धक्का-मुक्की हुई

एडिशनल एसपी पंकज पटेल ने बताया कि पुलिस की टीम एक मामले की जांच के लिए सिम्स पहुंची थी। इस दौरान मेन गेट के पास एक नशेड़ी ऑटो चालक हंगामा कर रहा था।

रूस में फंसे छत्तीसगढ़ के 2 युवक:बहन बोलीं-खाने में थूककर देते हैं, झूठे ड्रग्स केस में फंसाया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के 2 लड़के रूस में नौकरी करने गए थे, लेकिन अब वहां फंसे होने और प्रताड़ना झेलने की बात कह रहे हैं। इनमें रायपुर के टिकेश्वर साहू (38) और बिलासपुर के विनीत कुमार (21) शामिल हैं। विनीत की बहन ने आरोप लगाया है कि उन्हें खाने में गाय और सूअर का मांस दिया जा रहा है। खाने में थूक दिया जाता है, ताकि वे उसे खा न सकें। विरोध करने पर प्रताड़ित किया जाता है और रूसी आर्मी जॉइन करने का दबाव बनाया जा रहा है।

परिवार वालों का आरोप है कि युवकों को ड्रग्स के झूठे मामले में फंसाकर उन्हें डिटेन किया गया है। उनसे कहा जा रहा है कि या तो 15 से 20 साल जेल में रहो या रशियन आर्मी में शामिल हो जाओ।

वहीं, बिल्हा के विनीत कुमार ने वीडियो जारी कर भारत सरकार से मदद मांगी है। उसने रूस में भारतीयों को नौकरी के नाम पर फंसाने और बंदूक दिखाकर प्रताड़ित करने की बात कही है।

बिलासपुर के बिल्हा निवासी विनीत कुमार दुबे (21) नौकरी की तलाश में 1 अक्टूबर को रूस गए थे। उनकी बहन आशी दुबे के मुताबिक, उन्हें टेलीग्राम के जरिए नौकरी का ऑफर मिला था।



रूस में एक दुकान के स्टोरेज रूम में काम करने की बात बताई गई थी। टिकट और वीजा का इंतजाम भी ऑफर देने वालों ने किया था। विनीत ने रूस पहुंचने के बाद परिवार को इसकी जानकारी दी। कुछ दिन बाद उन्होंने बहन से कहा कि वे वापस भारत आना चाहते हैं।

7 लाख रुपए की डिमांड की गई

बहन का आरोप है कि बाद में एक युवक ने संपर्क कर बताया कि विनीत पर नारकोटिक्स यानी ड्रग्स का केस लगा है और उन्हें सेना में जाने के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। वकील की व्यवस्था के नाम पर अननोन नंबर से 7 लाख रुपए मांगे गए। परिवार ने यह रकम नहीं दी। इसके बाद 27 अक्टूबर को पिता के पास फोन आया कि विनीत ने आत्महत्या कर ली है। यह खबर सुनकर पिता को हार्ट अटैक आ गया।

हालांकि, इसके बाद विनीत ने खुद बहन से संपर्क किया और आत्महत्या की खबर को गलत बताया। बहन का दावा है कि विनीत ने वीडियो के माध्यम से वहां की परिस्थितियां बताई हैं।

विनीत का आरोप है कि टेलीग्राम पर नौकरी का ऑफर दिया गया था। इसके बाद भारतीयों को ड्रग्स के मामलों में फंसाया जा रहा है और बाद में रूसी सेना में शामिल होने के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

विनीत का वीडियो आया सामने, बंदूक दिखाकर धमका रहे

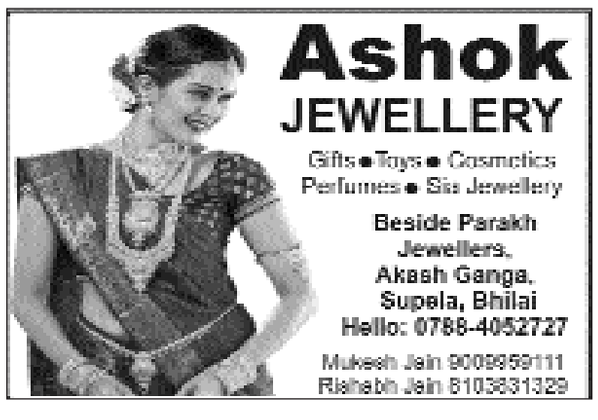
रूस में फंसे बिल्हा के विनीत दुबे ने वीडियो में भारत सरकार से मदद मांगी है। वीडियो में वह बता रहे हैं कि कई भारतीयों को नौकरी के नाम पर रूस बुलाया जा रहा है। वहां पहुंचने पर एयरपोर्ट के पास कुछ लोग उन्हें लेने आते हैं। इसके बाद काम के बारे में जानकारी दी जाती है। मना करने पर बंदूक दिखाकर गोली मारने की धमकी देने का आरोप भी उन्होंने लगाया है।

वीडियो में विनीत कहते हैं कि वहां भारतीयों के अलावा दूसरे देशों के नागरिक भी इस तरह की परेशानी झेल रहे हैं। इनमें नौकरी करने गए लोगों के साथ स्टूडेंट और टूरिस्ट भी शामिल हैं। उन्होंने भारत सरकार से सभी फंसे हुए लोगों को सुरक्षित वापस लाने की अपील की है।

दुकान का ताला तोड़ 40 हजार रुपए की चोरी, केस

रायगढ़ । घरघोड़ा में प्रेमनगर स्थित मोटर वाइंडिंग दुकान का ताला तोड़कर चोर करीब छह क्विंटल तार और 40 हजार रुपए नकद ले गए। चोरी गए तार में चार क्विंटल 50 किलो नया और एक क्विंटल 50 किलो पुराना स्क्रैप तार शामिल है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम लोधिया निवासी उमाचरण बरेठ अपने बड़े भाई रामकुमार के साथ किराए की दुकान में मोटर और मोटर वाइंडिंग का कारोबार करते हैं। प्रियंका सेल्स एजेंसी नाम की इस दुकान को दोनों भाई बारी-बारी से संचालित करते हैं। उमाचरण 18 नवंबर की शाम करीब 7 बजे दुकान बंद कर अपने कमरे में चले गए थे। अगले दिन सुबह करीब 7 बजे वे दुकान पहुंचे तो शटर का ताला टूटा और शटर क्षतिग्रस्त मिला। अंदर सामान की जांच करने पर करीब छह क्विंटल तार और गल्ले में रखे 40 हजार रुपए नकद गायब थे।







खास खबर



नर्सिंग की रिक्त सीटों के लिए दूसरे और तीसरे चरण की काउंसिलिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु दूसरे और तीसरे (मॉप-अप राउन्ड) चरण की काउंसिलिंग संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है। राज्य काउंसिलिंग समिति, संचालनालय चिकित्सा शिक्षा के अनुसार, ऑनलाइन आवेदन की अवधि 20 नवंबर 2026 को सुबह 11 बजे से 22 नवंबर 2026 को दोपहर 2 बजे तक रहेगी। संयुक्त काउंसिलिंग में बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन साइकियाट्रिक नर्सिंग पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटें शामिल हैं। बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा में 10 पर्सेंटाइल तक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी भी पंजीयन और संस्था का चयन कर सकेंगे। यह प्रावधान केवल बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिए लागू होगा। सीट आवंटन और अधिक जानकारी के लिए संचालनालय चिकित्सा शिक्षा की आधिकारिक वेबसाइट https://www.cgdme.in/h देखें।

दुर्घटना में मृत्यु होने पर चार लाख की आर्थिक सहायता

नारायणपुर। जिले में विभिन्न दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों के परिजनों को शासन के प्रावधानों के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर द्वारा ग्राम कुकड़ाझोर निवासी मृतिका राधिका कोर्राम, पिता जलदेव कोर्राम के निकटतम वारिस को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। राधिका कोर्राम की 15 मई 2026 को तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। कलेक्टर नम्रता जैन ने मृतिका के निकटतम वारिस पिता जलदेव कोर्राम को 4 लाख की सहायता स्वीकृत की है। ब्रहबेड़ा निवासी मृतिका रामशिला हिचामी पीला सोनू हिचामी के निकटतम वारिस को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में उतरने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को तीन लाख रुपए तक की सहायता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ओलंपिक, विश्व कप, एशियाड और राष्ट्रमंडल खेलों जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को तीन लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता मिलेगी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पात्र खिलाड़ियों से आवेदन मंगाए हैं।

योजना के तहत यात्रा और खेल उपकरणों पर होने वाले वास्तविक खर्च अथवा अधिकतम तीन लाख रुपए, दोनों में से जो राशि कम होगी, वह प्रोत्साहन के रूप में दी जाएगी। पात्र खिलाड़ियों से इसके लिए 30 नवम्बर तक आवेदन मंगाए गए हैं।

योजना का लाभ लेने के लिए खिलाड़ी का छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना और संबंधित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य की ओर से प्रतिनिधित्व करना अनिवार्य है। एक



खिलाड़ी को एक वित्तीय वर्ष में केवल एक बार प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने संबंधी प्रमाण पत्र एवं चयन पत्र प्रस्तुत करना होगा। यात्रा व्यय की गणना वास्तविक यात्रा टिकट के आधार पर की जाएगी। खेल उपकरणों के लिए अभिप्रमाणित कोटेशन और सामग्री की दरों का विवरण देना अनिवार्य है। आवेदन में अपना नाम, माता-पिता का नाम, जन्मतिथि, आयु, लिंग, खेल का नाम, स्थायी एवं वर्तमान पता, संपर्क विवरण तथा बैंक खाते की जानकारी देनी होगी। संबंधित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का नाम, आयोजन स्थल, देश, प्रतियोगिता की अवधि की जानकारी भी देनी होगी।

पात्र खिलाड़ी 30 नवम्बर तक आवेदन संचालक, संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़, सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, खेल भवन, जी.ई. रोड, रायपुर-492001 को अपना आवेदन भेज सकते हैं।

नक्सलवाद के साये से समृद्धि के उजाले तक, भारत मंडपम में दिखी छत्तीसगढ़ का नए चेहरे की झलक

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री पहली बार इतनी बड़ी संख्या में मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में शुक्रवार की शाम छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, कला और परंपराओं के रंगों से सराबोर रही। छत्तीसगढ़ राज्य दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य सांस्कृतिक समारोह में प्रदेश के लोक कलाकारों ने पारंपरिक नृत्यों और लोक संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह ने राष्ट्रीय राजधानी में छत्तीसगढ़ की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, समृद्ध जनजातीय परंपराओं और जीवंत लोक कलाओं की मनमोहक झलक प्रस्तुत की।



समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, कृषि, उद्योग और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ विकास की व्यापक संभावनाओं वाला राज्य है। प्रदेश में इस्पात, सीमेंट, ऊर्जा, एल्युमिनियम, खाद्य प्रसंस्करण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में निवेश के अपार अवसर उपलब्ध हैं। नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के माध्यम से निवेश, रोजगार सृजन और उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्यपाल ने देश-विदेश से आए उद्योगपतियों और निवेशकों से छत्तीसगढ़ की संभावनाओं का लाभ उठाने तथा प्रदेश के विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कृषि आधारित उद्योगों तथा लघु वनोपज के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों के विकास से स्थानीय लोगों की आय बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ की वास्तविक शक्ति यहां के मेहनतकश किसान, प्रतिभाशाली युवा, महिलाएं और कुशल शिल्पकार हैं। युवाओं को स्टार्टअप, नवाचार और उद्यमिता से जोड़ने के साथ ही महिला स्व-सहायता समूहों और स्थानीय शिल्पकारों के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, हस्तशिल्प, हथकरघा और पर्यटन स्थलों में आर्थिक विकास तथा रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं। विकास के साथ सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सामूहिक प्रयासों और जनभागीदारी से छत्तीसगढ़ को आर्थिक रूप से समृद्ध, औद्योगिक रूप से सशक्त, सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली और सामाजिक रूप से समरस राज्य बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान अब बदल रही है। जिस बस्तर और छत्तीसगढ़ की चर्चा कभी नक्सलवाद और चुनौतियों के संदर्भ में होती थी, आज वही प्रदेश अपनी समृद्ध जनजातीय विरासत, जीवंत लोक संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और विकास की नई संभावनाओं के साथ देश-दुनिया के सामने नई पहचान बना रहा है। भारत मंडपम में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में नजर आया छत्तीसगढ़ का स्वरूप इसी बदलते दौर की कहानी बयां कर रहा है। यहां परंपरा और आधुनिकता, विरासत और विकास तथा स्थानीय हुनर और आर्थिक संभावनाओं का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि राज्य गठन के बाद यह पहला अवसर है, जब वे इतनी बड़ी संख्या में अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि यहां छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, जनजातीय विरासत और विकास की अनूठी झलक देखने को मिल रही है, जो प्रदेश की बदलती तस्वीर और नई पहचान को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत कर रही है।

उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और अनूठी लोक परंपराओं के लिए विशेष पहचान रखता है। प्रदेश की लोक संस्कृति हमारी अमूल्य धरोहर है, जिसे लोक कलाकारों ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी सहेजकर रखा है। गौर, गौरा-गौरी, भोजली, राउत नाचा, सुआ, पंथी और करमा जैसे लोक नृत्य छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन देश-विदेश के लोगों को छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य दिवस समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राज्य सभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल तथा छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सलीम राज विशेष रूप से उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के दो होनहार विद्यार्थी अंतरराष्ट्रीय रोबोटिक्स में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दो होनहार विद्यार्थी अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी तकनीकी प्रतिभा का प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे। रायपुर के वेदिक इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा सातवीं के विद्यार्थी पराक्रम सिन्हा और मोहम्मद गौस अंसारी का चयन दक्षिण कोरिया में 28 एवं 29 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली रोबोटेक्स इंटरनेशनल ग्रैंड फाइनल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। दोनों विद्यार्थी इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से दोनों विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दोनों विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बच्चों में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। उन्हें सही अवसर, प्रोत्साहन और मार्गदर्शन मिले तो वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में रोबोटिक्स जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करना अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज विज्ञान और तकनीक का युग है। हमारे बच्चों में नई तकनीक को सीखने, समझने और नवाचार करने की रुचि बढ़ रही है।

राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा, तकनीकी ज्ञान और अपनी प्रतिभा निखारने के बेहतर अवसर मिलें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों विद्यार्थी दक्षिण कोरिया में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगे।

उल्लेखनीय है कि पराक्रम सिन्हा और मोहम्मद गौस अंसारी ने नेशनल चैंपियनशिप 2026 की LEGO Line Follower श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। इसी उपलब्धि के आधार पर उनका चयन रोबोटेक्स इंटरनेशनल ग्रैंड फाइनल के लिए हुआ है।

इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 16 से अधिक राज्यों के 7 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता की नौ अलग-अलग श्रेणियों में 500 से अधिक रोबोट्स के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमता का प्रदर्शन किया। विभिन्न श्रेणियों से चयनित 36 विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है।

LEGO Line Follower श्रेणी में विद्यार्थियों को ऐसा रोबोट तैयार करना होता है, जो निर्धारित ट्रैक पर बनी लाइन को पहचानकर उसके अनुसार आगे बढ़ सके। इसके लिए प्रोग्रामिंग, तार्किक सोच, तकनीकी समझ और समस्या समाधान की क्षमता आवश्यक होती है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और संशोधन कराने 11 दिसंबर तक मौका

धमतरी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 शुरू हो गया है। इसके तहत 12 नवंबर 2026 को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जा चुका है। प्रारंभिक प्रकाशन के बाद 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक जिले के सभी मतदान केंद्रों में मतदाता सूची से संबंधित दावा-आपत्तियां प्राप्त की जा रही हैं। इस दौरान पात्र नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं, वहीं नाम, पता सहित अन्य प्रविष्टियों में संशोधन और अपात्र नामों के विलोपन के लिए भी आवेदन कर सकते हैं।

जिले के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 56 सिहावा, 57 कुरूद एवं 58 धमतरी के सभी मतदान केंद्रों में नियुक्त बूथ लेवल अधिकारियों एवं अभिहित अधिकारियों द्वारा यह कार्य किया जा रहा है। नागरिक अपने नजदीकी मतदान केंद्र में पहुंचकर निर्धारित प्रारूप-6 में नाम जुड़वाने, प्रारूप-7 में नाम विलोपन तथा प्रारूप-8 में संशोधन के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की महत्वपूर्ण सुविधा के तहत ऐसे युवा, जो 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1 अक्टूबर 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करेंगे, वे भी निर्धारित अवधि में अग्रिम आवेदन कर सकते हैं। ऐसे आवेदकों का नाम संबंधित अर्हता तिथि को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। इससे नए युवा मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

अवैध धान भंडारण पर सख्ती, चार प्रतिष्ठानों से 245.60 क्विंटल जब्त



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने तथा अवैध धान के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में धमतरी जिले के नगरी क्षेत्र में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने चार अलग-अलग प्रतिष्ठानों में छापामार कार्रवाई करते हुए 614 कट्टा धान जब्त किया है। जब्त धान की कुल मात्रा 245.60 क्विंटल है। जांच में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार संयुक्त जांच दल ने नगरी क्षेत्र के विभिन्न धान भंडारण स्थलों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान गोदामों में उपलब्ध धान की मात्रा, भंडारण संबंधी दस्तावेजों और अभिलेखों का मिलान किया गया। जांच में निर्धारित नियमों के अनुरूप दस्तावेज नहीं पाए जाने तथा भंडारण संबंधी अनियमितताएं सामने आने पर धान जब्ती की कार्रवाई की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जांच दल ने बेलरगांव स्थित भानुराम साहू के गोदाम से 81 कट्टा अर्थात 32.40 क्विंटल धान जब्त किया। इसी प्रकार गट्टासिल्ली स्थित एसके फूड्स मिल के गोदाम से 233 कट्टा यानी 93.20 क्विंटल तथा सफीका धान कुटाई केंद्र के गोदाम से 140 कट्टा अर्थात 56 क्विंटल धान जब्त किया गया।वहीं गेदरा स्थित रजा राइस इंडस्ट्रीज के गोदाम से 160 कट्टा यानी 64 क्विंटल धान जब्त किया गया।

इस प्रकार चारों प्रतिष्ठानों से कुल 614 कट्टा धान जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। जब्त धान को विधिवत संबंधित प्रतिष्ठानों के संचालकों की सुपुर्दगी में रखा गया है। कार्रवाई से संबंधित प्रतिष्ठानों में भानुराम साहू, आसिफ मेमन, जावेद मेमन एवं जमीला बानो के नाम शामिल हैं। जिला प्रशासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान अवैध भंडारण, अनधिकृत परिवहन और बिचौलियों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। धान उपार्जन केंद्रों के साथ-साथ राइस मिलों, गोदामों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में भी जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य अनधिकृत धान को समर्थन मूल्य की खरीदी व्यवस्था में खपाने की कोशिशों को रोकना तथा वास्तविक किसानों को शासन की योजना का लाभ सुनिश्चित करना है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी से संबंधित किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा अवैध गतिविधि पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों और प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग के संयुक्त जांच दलों द्वारा आगे भी निरीक्षण और निगरानी का सिलसिला जारी रहेगा, ताकि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं किसान हितैषी बनी रहे।

महाराष्ट्र में बंधुआ की तरह काट रहे थे गन्ना, प्रशासन ने कराया मुक्त

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रोजगार और बेहतर आजीविका की उम्मीद लेकर महाराष्ट्र पहुंचे छत्तीसगढ़ के 40 श्रमिकों के लिए जिला प्रशासन का त्वरित हस्तक्षेप बड़ी राहत लेकर आया। महाराष्ट्र के सोलापुर में बंधक जैसी परिस्थितियों में काम करने को मजबूर इन श्रमिकों को प्रशासन की संयुक्त टीम ने स्थानीय प्रशासन के सहयोग से मुक्त कराकर सुरक्षित छत्तीसगढ़ वापस पहुंचाया है। इनमें 18 पुरुष, 13 महिलाएं और 9 बच्चे शामिल हैं। बचाव अभियान के तहत सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के 35, जांजगीर-चांपा के 3 और सक्ती जिले के 2 श्रमिकों की सकुशल घर वापसी सुनिश्चित की गई है।

मामला सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम पंचायत उलखर से जुड़ा है। यहां के एक श्रमिक ने कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन प्रस्तुत कर महाराष्ट्र के सोलापुर में अपने परिवार और गांव के अन्य लोगों के साथ हो रहे शोषण की जानकारी दी थी। शिकायत के अनुसार, एक व्यक्ति रोजगार, नियमित मजदूरी, भोजन, आवास और बीमारी की स्थिति में उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाकर श्रमिकों को गन्ना कटाई एवं ट्रक लोडिंग के कार्य के लिए महाराष्ट्र ले गया था।

श्रमिकों को उम्मीद थी कि मेहनत से अर्जित मजदूरी उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर



बनाएगी, लेकिन वहां पहुंचने के बाद परिस्थितियां विपरीत हो गईं। शिकायत में बताया गया कि श्रमिकों से सुबह से रात 9 बजे तक काम कराया जाता था, जबकि वादे के अनुरूप साप्ताहिक मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा था। पर्याप्त राशन उपलब्ध नहीं कराने, बीमार होने पर भी काम कराने तथा मारपीट एवं दुर्व्यवहार जैसी गंभीर शिकायतें भी सामने आईं। परेशान श्रमिक ने अपने परिवार के 16 सदस्यों को बकाया मजदूरी सहित सुरक्षित वापस लाने की गुहार लगाई थी।

कलेक्टर के निर्देश पर श्रम, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने महाराष्ट्र के सोलापुर पहुंचकर श्रमिकों की स्थिति की जांच की। जांच के दौरान श्रमिकों से बंधक जैसी परिस्थितियों में गन्ना कटाई का कार्य कराए जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद सोलापुर जिला प्रशासन के समन्वय एवं सहयोग से सभी 40 श्रमिकों को मुक्त कराया गया। प्रशासन ने उनकी सुरक्षित वापसी के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित कीं।

बचाव अभियान के तहत सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम उलखर, बैगनडीह, नौरंगपुर सहित अन्य गांवों के 35 श्रमिकों को मुक्त कराया गया। इनके साथ जांजगीर-चांपा जिले के 3 और सक्ती जिले के 2 श्रमिक भी सुरक्षित वापस लौटे। सभी 40 श्रमिक 20 नवंबर को बचाव दल के साथ अपने गृह ग्राम पहुंच गए।

जिला प्रशासन ने श्रमिकों से अपील की है कि दूसरे राज्यों में रोजगार के लिए जाने से पहले संबंधित ठेकेदार, बिचौलिए और कार्यस्थल की पूरी जानकारी अवश्य प्राप्त करें। रोजगार के नाम पर दिए जाने वाले प्रलोभनों से सावधान रहें तथा श्रम विभाग में आवश्यक पंजीयन कराएं।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बाहर काम करने के दौरान मजदूरी का भुगतान नहीं होने, दुर्व्यवहार, शोषण अथवा बंधक बनाए जाने जैसी स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल श्रम विभाग या पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला प्रशासन की यह कार्रवाई श्रमिकों की सुरक्षा, उनके अधिकारों के संरक्षण और संकट में फंसे परिवारों को सहायता पहुंचाने की दिशा में संवेदनशील प्रशासनिक पहल का उदाहरण बनी है। तीन जिलों के 40 श्रमिकों की सुरक्षित घर वापसी ने यह संदेश दिया है कि समय पर प्राप्त शिकायत और प्रशासन की तत्पर कार्रवाई से संकटग्रस्त श्रमिकों को राहत पहुंचाई जा सकती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950